राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाचार गेट

वर्ष :1, अंक : 103, पेज 8, मूल्य 1 रुपए शुक्रवार 28 जून 2024 TITLE CODE: HARHIN11569

डॉक्टरों की फीस फिक्स कराने चले थे पप्पू यादव

जिले में डॉक्टरों की फीस तय करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सांसद पप्पू यादव ने डॉक्टरों के साथ बैठक कर फीस कम करने की बात कही थी, जिसका खंडन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और डॉक्टर्स केयर एसोसिएशन ने किया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सफाई देते हुए कहा है कि फीस तय करने जैसी कोई बात नहीं हुई है, बल्कि गरीब मरीजों की मदद के लिए चर्चा हुई है। हाल ही में पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने डॉक्टरों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में डॉक्टरों की फीस कम करने पर चर्चा हुई थी। सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर भी इस बारे में जानकारी साझा की थी। लेकिन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और डॉक्टर्स केयर एसोसिएशन ने सांसद के इस दावे का खंडन किया है। अध्यक्ष डॉ. सुधांशु कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सांसद पप्पू यादव के साथ कई बार मुलाकात हुई है और इन मुलाकातों में गरीब मरीजों की मदद पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि फीस तय करने जैसी कोई बात नहीं है। डॉ. सुधांशु कुमार ने कहा, 'नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव के साथ कई अवसरों पर मुलाकात के दौरान गरीब मरीजों के प्रति उनकी चिंता पर बातें हुईं। आईएमए के सदस्यों ने उनके लोक कल्याणकारी कार्यों में सहयोग करने का वचन दिया है। मुख्य रूप से सांसद ने गरीबों की मदद की बात कही है। फी के मामले में उनके द्वारा इस दिशा में अपील भी की गयी है। फी निर्धारण की कोई बात नहीं है। बीपीएल अंतर्गत आनेवाले मरीजों के लिए आईएमए सदस्य अपनी इच्छा से वोलेंट्री रूप से मदद करने को तैयार हैं। जो भी मदद होगी व्यक्तिगत तौर पर होगी।' 'पप्पू अच्छे काम के लिए आगे आएंगे तो क्टअ उनके साथ' इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि सांसद अगर अच्छे कामों के लिए आगे आएंगे तो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उनके साथ है। उन्होंने फर्जी डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डॉ. सुधांशु कुमार ने कहा, "पूर्णिया आईएमए ने कहा कि सांसद अच्छे कार्यों के लिए आग्रह करेंगे, तो हम सभी मदद करेंगे। इस दौरान आईएमए अध्यक्ष डॉ सुधांशु कुमार ने फर्जी कारोबार में चिकित्सकों द्वारा किसी भी रूप में संलिप्तता से खुद को अलग कर लेने का आह्वान करते हुए सिविल सर्जन व जिला प्रशासन से जल्द से जल्द इन फर्जी संस्थानों को रोकने की भी अपील की।' इसी बीच बीजेपी नेता और प्रवक्ता डॉ अजय आलोक ने पप्पू यादव पर तीखा हमला बोला और ट्वीट किया कि 'ये नये बाप हैं पूर्णिया के, डॉक्टर्स की फीस तय करेंगे ! यहां बिहार में कानून का राज हैं पप्पुओं का राज नहीं हैं , निश्चिंत हो के डॉक्टर्स अपनी सेवाये समाज और जनता को दे कोई पप्पू अगर हरकत करे तो प्रशासन को बतायें। सांसद बनना मतलब सेवक होता हैं बाप नहीं।' इस पर पप्पू यादव ने भी जवाब दिया।

नीतीश कुमार ने सरकार बनाना जरूरी समझा: जमा खान

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे को बीजेपी ने इस बार चुनाव में जगह नहीं दी। लेकिन, उन्हें राज्यपाल बनाने की चर्चा है। वहीं अश्विनी चौबे ने भी कहा कि वो अब चुनावी राजनीति से दूर रहेंगे। वो समाजसेवा करेंगे। चुनावी राजनीति से दूर रहने के साथ ही अश्विनी चौबे ने कई ऐसे बड़ी बातें भी कर दी, जिस पर 29 जून को नई दिल्ली में जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की होने वाली बैठक में चर्चा हो सकती है। विधानसभा चुनाव में बीजेपी को पूर्ण बहुमत मिलना चाहिए अश्विनी चौबे ने कहा- ह्यइस बार बिहार में एनडीए भाजपा के नेतृत्व में चुनाव लड़े और भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बननी चाहिए। पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा अकेले दम पर आए और एनडीए को भी आगे बढ़ाए।ह्न चौबे ने नीतीश कुमार को लेकर कहा कि वो उनके साथ थे, हैं और रहेंगे। चौबे ने कहा- ह्यहम नीतीश कुमार को साथ लेकर चल रहे थे आज भी चल रहे हैं आगे भी चलेंगे।ह्न साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि पार्टी में बाहरी लोगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चौबे ने कहा कि पार्टी में आयातित माल हमें कभी बर्दाश्त नहीं है। संजय झा बोले- बिहार में एनडीए का मतलब नीतीश कुमार उधर, जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय झा

ने कहा कि बिहार में एनडीए का मतलब है नीतीश कुमार, इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद बिहार बीजेपी अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी कहा है कि वो 2025 का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे।

नीतीश कुमार की जल्द इंडिया ब्लॉक में होगी वापसी! इस बीच आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने दावा किया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही बीजेपी का साथ छोड़ देंगे और इंडिया ब्लॉक में उनकी वापसी होगी। इसके बाद बिहार से बीजेपी साफ हो जाएगी। जमा खान ने खींच दी तलवार,बोले-नीतीश ने त्याग किया इधर, बिहार सरकार में जेडीयू के मंत्री जमा खान ने कहा कि नीतीश कुमार के समर्थक उन्हें प्रधानमंत्री बनना चाहते थे। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समझौता किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समझौता कर केंद्र में सरकार बनाना जरूरी समझा न कि खुद को प्रधानमंत्री। जेडीयू के मंत्री के इस बयान के बाद ऐसा माना जा रहा है कि गठबंधन के बीच दरार पड़ सकती है। जदयू के मंत्री केंद्र में सरकार का समर्थन कर एहसान जताने की कोशिश करते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे में यदि बीजेपी इस पर कोई तीखी प्रतिक्रिया देती है। तो बिहार ही नहीं केंद्र में भी सरकार पर संकट के बादल छा सकते हैं।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को एम्स से मिली छुट्टी

नई दिल्ली : बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को एम्स से छुट्टी मिल गई है। पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी को बुधवार देर रात अस्पताल में एडमिट कराया गया था। रिपोर्ट के अनुसार उनके परिवार का कहना था कि 96 वर्षीय आडवाणी को उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पातल में भर्ती कराया गया। देर रात उनकी हालत स्थिर बनी हुई थी। उम्र संबंधी समस्या आडवाणी को जरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टर की निगरानी में रखा गया था। लालकृष्ण आडवाणी उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस कारण घर पर ही उनका समय-समय पर चेकअप किया जाता है। बीती रात उन्हें कुछ दिक्कत महसूस हुई, जिस-ाके चलते उन्हें दिल्ली एम्स लाया गया। भारत रत्न से सम्मानित

लालकृष्ण आडवाणी को 30 मार्च 2024 को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इसके लिए

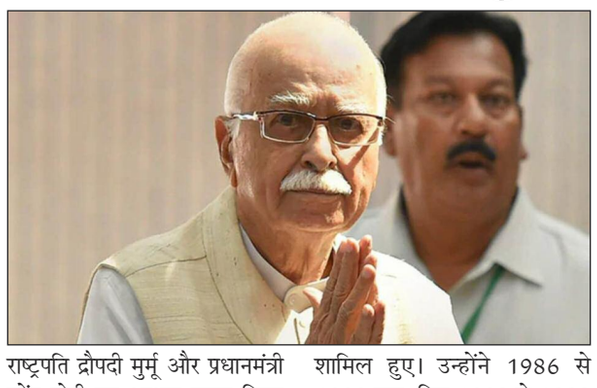

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि यह न केवल उनका, बल्कि उनके आदर्शों और सिद्धांतों का भी सम्मान है। इससे पहले साल 2015 में लालकृष्ण आडवाणी को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा गया था। कराची में हुआ था जन्म 8 नवंबर 1927 को कराची (वर्तमान पाकिस्तान) में जन्मे आडवाणी 1942 में स्वयंसेवक के रूप में आरएसएस में शामिल हुए। उन्होंने 1986 से 1990 तक, फिर 1993 से 1998 तक और 2004 से 2005 तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। आडवाणी ने 1980 में पार्टी की स्थापना के बाद से सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

लगभग तीन दशकों के संसदीय करियर में, लालकृष्ण आडवाणी पहले गृह मंत्री और बाद में अटल बिहारी वाजपेयी (1999-2004) के मंत्रिमंडल में उप प्रधान मंत्री थे।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होते ही श्रीलंका क्रिकेट में बवाल

श्रीलंका के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी सलाहकार कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। वानिंदु हसरंगा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम टी20 वर्ल्ड कप के पहले ही राउंड से बाहर हो गई थी। उसे बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका से हार मिली। नेपाल और श्रीलंका का मैच बारिश में धुल गया था। सिल्वरवुड ने क्या बताई वजह? इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके क्रिस सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा, ह्यअंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिये फख्र की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं। श्रीलंका ने जीता था एशिया कप

अप्रैल 2022 में क्रिस सिल्वरवुड श्रीलंका क्रिकेट टीम के हेड कोच बने थे। उससे कुछ महीने पहले ही उनकी कोचिंग में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में 4-0 की बार मिली थी। वह कोच के रूप में इंग्लैंड के लिए उनकी आखिरी सीरीज थी। सिल्वर-वुड ने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही सफलता हासिल की, क्योंकि श्रीलंका ने 2022 में एशिया कप जीता। उन्होंने देश के आर्थिक संकट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका को वनडे सीरीज में जीत दिलाई। चैंपियंस ट्रॉफी में भी जगह नहीं क्रिस सिल्वरवुड और श्रीलंका के लिए पिछला करीब एक साल बेहद खराब रहा है। उनकी कोचिंग में श्रीलंकाई टीम वर्ल्ड कप 2023 में 9वें स्थान पर रही। इसकी वजह से वह अगले साल पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप के फाइनल में श्रीलंकाई टीम भारत के खिलाफ 50 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। अब टी20 वर्ल्ड कप में भी टीम फेल रही।

दीपेंद्र हुड्डा को ओम बिरला ने लगाई फटकार

चंडीगढ़: 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के चौथे दिन संसद स्पीकर और कांग्रेस नेताओं के बीच नोकझोंक हुई। यह नोकझोंक कांग्रेस के नेता शशि थरूर के शपथ ग्रहण के बाद हुई। इंडिया गठबंधन के नेताओं की तरह शशि थरूर भी शपथ ग्रहण के दौरान संविधान की प्रति लिए नजर आए। अंत में उन्होंने जय संविधान का नारा दिया और स्पीकर से हाथ मिलाकर आसन से नीचे आए। तब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोग संविधान की शपथ ले ही रहे हैं। यह जो शपथ ली गई है, वह संविधान की है। इस पर कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने स्पीकर को घेरने कोशिश की। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि आप अब संविधान पर भी आपत्ति जता रहे हैं। इस पर आपको आपत्ति नहीं होनी चाहिए। तब ओम बिरला ने जवाब देते हुए कि किस पर आपत्ति है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा सैयद को भी स्पीकर ने कराया था करेक्ट बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही ओम बिरला विपक्षी इंडिया गठबंधन के निशाने पर रहे

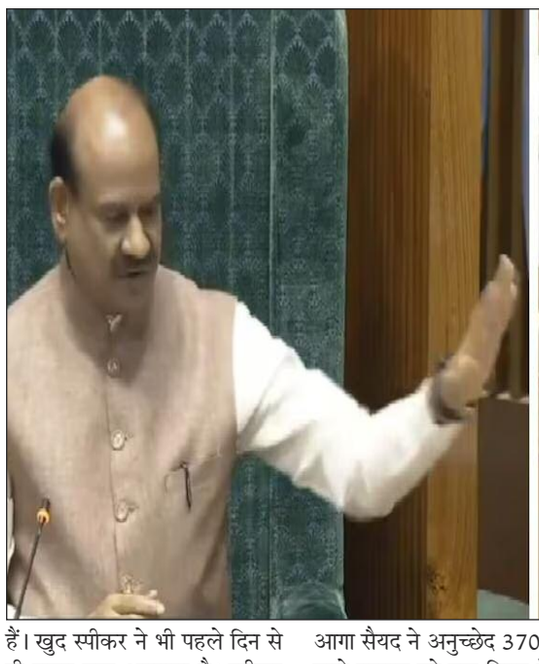

हैं। खुद स्पीकर ने भी पहले दिन से ही सख्त रुख अपनाया है। स्पीकर के चुनाव के बाद सबसे पहले अखिलेश यादव ने इशारों में उन पर टिप्पणी की, फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद ने उनके पिछले कार्यकाल को लेकर टिप्पणी की। आगा सैयद ने अनुच्छेद 370 हटाने वाले प्रस्ताव को एक मिनट में पास करने वाला बयान दिया। तब ओम बिरला ने आगा सैयद को बताया था कि अनुच्छेद 370 के प्रस्ताव पर करीब साढ़े नौ घंटे चर्चा हुई थी। आपको ज्ञान नहीं है। संसद में ओम बिरला और विपक्ष के बीच पहली नोकझोंक पहले प्रस्ताव से ही शुरू हो गई। फिर पांच साल तक ना कहना पड़े', पहले दिन ही दे दी थी नसीहत लोकसभा स्पीकर ने सबसे पहले आपातकाल के 50वीं बरसी पर जान गंवाने वाले लोगों को मौन रखकर श्रद्धांजलि देने का प्रस्ताव रखा। उनके प्रस्ताव पर एनडीए ने मौन रखा जबकि इंडिया गठबंधन समेत पूरा विपक्ष हंगामा करते रहे। राहुल गांधी और अखिलेश यादव समेत विपक्ष के नेताओं ने स्पीकर पर भाजपा का एजेंडा लागू करने का आरोप लगाया, तब ओम बिरला ने सख्ती से हिदायत दी। उनकी यह हिदायत सोशल मीडिया में काफी ट्रेंड करने लगी। लोकसभा अध्यक्ष हंगामा शांत कराने के लिए अपने आसन पर खड़े हो गए। फिर उन्होंने कहा कि स्पीकर जब खड़ा हो जाता है तो माननीय सदस्यगण बैठ जाया करें। ये मैं पहली बार कह रहा हूं। यह मुझे पांच साल तक ना कहना पड़े। बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर कोटा के सांसद ओम बिरला का यह दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है। पहले कार्यकाल में वह 100 सांसदों को निलंबित करने को लेकर भी सु-र्खियों में रहे हैं। 18वीं लोकसभा में कांग्रेस और विपक्ष काफी हमलावर है। सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान कई मौके ऐसे आए, जब सत्ता और विपक्ष के बीच टीका-टिप्पणी हुई।

भाजपा के दफ्तर पर चला बुलडोजर, पार्टी कार्यकताओं का आरोप- प्रशासन ने बिना नोटिस के कार्रवाई की

कोलकाता: राजधानी कोलकाता सहित कई जिलों में अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज हो गया है। इसी के तहत कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय को गिराया गया। कोलकाता के तारातला के गोरगाचा में भाजपा का कार्यालय ध्वस्त कर दिया गया। स्थानीय भाजपा कार्यकताओं का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन की ओर से बिना नोटिस के गोरगाचा स्थिति भाजपा कार्यालय को तोड़ दिया गया। भाजपा कार्याकर्ता एमबी महेश ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि बिना नोटिस के बुलडोजर से भाजपा कार्यालय क्यों गिरा दिया गया। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं कि भाजपा यहां मजबूत हो रही है। पास में तृणमूल कांग्रेस का एक कार्यालय है, जहां अवैध गतिविधियां चलती हैं। वहीं, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आदेश को लेकर टीएमसी नेता सब्यसाची दत्ता ने कहा, ममता बनर्जी ने जो भी निर्देश दिए हैं, वह सही हैं। तीन दिन पहले हुई

बैठक में हावड़ा, बाली, सिलीगुड़ी या बिधाननगर को लेकर उन्हें जो भी फीडबैक मिला है, वह सही है। हम उन पर उंगली नहीं उठा सकते। उन्होंने जो कुछ भी कहा है, वह बातों पर विचार करने और इसके समर्थन में दस्तावेजों को देखने के बाद ही कहा है। उन्होंने कहा कि जो कोई भी उस (मेयर पद) कुर्सी पर बैठा है, उसे देखना चाहिए। बिधाननगर नगर निगम में 41 वार्ड हैं, वहां जो भी निर्माण कार्य हो रहा है, उनमें से ज्यादातर कानूनी रूप से अवैध है।

अडानी एंटरप्राइजेज एयरपोर्ट बिजनेस में करेगी1.75 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली: अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज अगले 10 सालों में अपने हवाईअड्डा कारोबार में 1.75 लाख करोड़ रुपये ($21 बिलियन) का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी जुगेशिंदर सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अडानी एयरपोर्ट के प्रबंधन वाले सभी हवाईअड्डों पर सिटी-साइड डेवलपमेंट किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य नॉन-एयरो सेगमेंट से रेवेन्यू को बढ़ाना है। इसका लक्ष्य कुल रेवेन्यू और ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 75% योगदान हासिल करना है। हालांकि इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कोई समयसीमा नहीं बताई गई है। वर्तमान में, छह हवाई अड्डों पर हवाई से गैर-हवाई राजस्व अनुपात 75:25 है, जबकि मुंबई हवाई अड्डे पर यह अनुपात 50:50 है। सात हवाई अड्डों का संचालन पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स द्वारा प्रबंधित हवाई अड्डा व्यवसाय वर्तमान में भारत भर में सात हवाई अड्डों का संचालन करता है, जिनमें मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, गुवाहाटी, तिरुवनंतपुरम और मैंगलोर शामिल हैं। कंपनी ने पांच हवाई अड्डों जिसमें मुंबई, अहमदाबाद,

जयपुर, लखनऊ और गुवाहाटी शामिल हैं, 98 एकड़ क्षेत्र में शहर के किनारे विकास के प्रथम चरण की शुरूआत की है। अडानी एंटरप्राइजेज की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है, "कंपनी का इरादा गेटवे विकास, क्षेत्रीय उपस्थिति वृद्धि, उपभोक्ताओं और गैर-यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करने और डिजिटल प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप में गहन निवेश के माध्यम से भारत के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचा क्षेत्र को फिर से परिभाषित करना है।" विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद राजस्व स्रोतों के विविधीकरण के साथ-साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के लिए सरकार का समर्थन और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े विमानन बाजार के रूप में भारत की अनुमानित वृद्धि से अडानी एयरपोर्ट पर विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नई दिल्ली में जीएमआर एयरोसिटी के समान एक स्मार्ट सिटी की अवधारणा, जो हवाई अड्डे के टर्मिनलों के पास फूड जॉइंट्स, खुदरा ब्रांड, होटल और प्रीमियम कार्यालय स्थान प्रदान करती है, को अडानी एयरपोर्ट द्वारा अपनाया जा रहा है। कंपनी नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण कर रही है, जिसके इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरूआत में पूरा होने की उम्मीद है।

अधिवक्ता के पिता के निधन पर बार एसोसिएशन के सद्स्यों किया वर्क सस्पेंड

कनीना सुनील दीक्षित

कनीना सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता राकेश वासी मानपुरा के पिता टोडाराम के निधन पर बार एसोसिएशन कनीना के सद्स्यों ने दो मिनट को मौन रखकर श्रधासुमन अर्पित किये। इतना ही नहीं उनकी ओर से एक दिन का वर्क सस्पेंड भी रखा। बार एसोसिएशन कनीना के प्रधान सुनील यादव रामबास ने बताया कि टोडाराम 98 वर्ष के थे जो पिछले समय से अस्वस्थ थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड गए। इस मौके पर अधिवक्ता उपस्थित थे।

बाल संरक्षण आयोग की टीम ने होटलों व दुकानों पर कार्य करने वाले बच्चों को मुक्त कराया

कनीना सुनील दीक्षित

बाल संरक्षण आयोग की टीम ने बृहस्पतिवार को कनीना के विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर रेहडी-फडी,चाय की दुकानों तथा होटल आदि पर काम करने वाले कम आयु के बच्चों को मुक्त कराया। टीम के कनीना पंहुचते ही उन लोगों में हडकंप मच गया जो 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से व्यवसायिक कार्य करवा रहे थे। टीम में शामिल अधिकारियों व पुलिस कर्मियों ने ऐसे दुकानदारों व होटल संचालकों को बच्चों से कार्य न करवाने की हिदायत दी। टीम ने विभिन्न स्थानों से करीब आधा दर्जनभर बच्चों को कार्य से मुक्त कराया।

औद्योगिक इकाइयां कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों व नियमों का रखें पूरा ध्यान : एसडीएम

समचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य में औद्योगिक और निर्माण स्थल पर व्यापक सुरक्षा प्रबंध व व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए महानिदेशक उद्योग एवं वाणिज्य हरियाणा ने गुरूवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला प्रशासन रेवाड़ी की ओर से एसडीएम बावल मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी व औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि वीडियो कांफ्रेंस में मौजूद रहे। एसडीएम मनोज कुमार ने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि औद्योगिक इकाइयों और निर्माण स्थल पर व्यापक सुरक्षा प्रबंध व व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से जिला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग, मुख्य विद्युत निरीक्षणालय, एचएसआईआईडीसी, बॉयलर निरीक्षणालय, श्रम विभाग, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन व औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि के आपसी समन्वय से जिला रेवाड़ी में विशेष सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों सहित श्रमिकों को जागरूक किया जाएगा।एसडीएम ने कहा कि वर्तमान समय में कार्यस्थलों में औद्योगिक सुरक्षा एक सर्वोपरि चिंता का विषय है। श्रमिकों की सुरक्षा व भलाई नियोक्ताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। औद्योगिक सुरक्षा के प्रमुख स्तंभों में से एक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग है। ये विशेष उपकरण और गियर श्रमिकों को संभावित खतरों से बचाने और उनके कार्य कार्यों से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। श्रमिकों को सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में सुरक्षा उपकरणों का बहुत महत्व है। सुरक्षा उपकरण कार्यस्थल पर होने वाले विभिन्न खतरों से बचाव के लिए सुरक्षा कवच का काम करते हैं। सुरक्षा हेलमेट, सुरक्षा चश्मा, इयरप्लग , दस्ताने और सुरक्षा जूते जैसे उपकरण दुर्घटनाओं और चोटों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों को औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों व नियमों का पूरा ध्यान रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

भट्ठा मजदूरों को मजदूरी देने की बजाय की पिटाई

कैलाश एडवोकेट की पहल पर आरोपियों के खिलाफ हुआ मामला दर्ज

समचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिले के गांव भाँडोर में स्थित ईंट भट्टे पर गत 25 जून 2024 की देर रात भट्ठा कर्मियों ने मारपीट कर 28 से 30 मजदूरों को चोटिल कर दिया। चोटिल हुए मजदूरों में ज्यादा संख्या महिलाओं और बच्चों की थी। उपरोक्त जानकारी देते हुए एडवोकेट कैलाश ने बताया कि उपरोक्त ईंट भट्टे पर मजदूर पिछले लंबे समय से काम कर रहे थे लेकिन उन्होंने जब अपनी मजदूरी मांगी तो विवाद खड़ा हो गया और देर रात उन्हें पहले तो डराया धमकाया गया। लेकिन मजदूरों ने बगैर पैसे लिए भत्ते से जाने से इनकार कर दिया तो पहले तो मजदूरों की झुग्गिओ में बिजली का करंट छोड़ा गया, बिजली का करंट कुछ छोटे बच्चो को भी लगा, उसके बाद देर रात उन्हें कुछ बाहरी बदमाश आदमी बुलवाकर मजदूरों, महिलाओ, ओर बच्चो को बुरी तरह लाठी डंडों से प्रहार कर जख्मी कर दिया ओर महिलाओ के साथ अश्लील हरकतें की गई। मामला पुलिस तक पहुंचा लेकिन पुलिस ने भी भट्ठा संचालकों की पैरवी करते हुए दिनाक 26 जून को सुबह 4 बजे से सभी मजदूर रामपुरा पोलिस थाने में पहुच गए थे मगर सुबह 4 बजे से साम 4 तक मजदूरों पर फैसला करने का दबाव बनाया गया। रामपुर थाना पुलिस ने जख्मी हुए मजदूरों का मेडिकल परीक्षण तक नहीं कराया। भूखे प्यासे मजदूर अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ जख्मी हालत में थाना परिसर में ही सुबह से शाम तक बैठे रहे लेकिन फैसला करने का दबाव बनाने के अलावा पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर कुछ भी नहीं किया गया। भट्ठा संचालक व भट्ठा संचालकों के सहयोगी थाने में आकर एसएचओ साहब और जांच अधिकारी से मुलाकात कर हाथ मिलाकर वापस चले जाते हैं और मजदूर पुलिस वालों को उम्मीद भरी टकटकी निगाहों से भूखे प्यासे पूरा दिन देखते रहें और हाथ जोड़कर फरियाद लगाते रहे की साहब हमें हमारे पैसे दिला दीजिए ताकि हम अपने गांव चले जाएं। लेकिन सफेद और खाकी रंग द्वारा सुबह से शाम तक मजदूरों के आंसुओं की कीमत लगाने का खेल पूरा दिन चलता रहा। देर श्याम किसी अनजान व्यक्ति ने समाजसेवी अधिवक्ता कैलाश चंद को इस घटना की सूचना दी तो कैलाश चंद अपने सहयोगी सतवीर के साथ थाने पहुंचे। वहां सभी मजदूरों का हाल-चाल जानने के बाद उनसे पूछा गया कि आपका अभी तक इलाज कराया गया है या नहीं तो मजदूरों ने मना कर दिया साहब हम सुबह से बैठे हुए हैं लेकिन किसी ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया तब कैलाश चंद ने सभी मजदूरों को किसी वाहन में लेकर रेवाड़ी के ट्रामा सेंटर पहुचे। ट्रामा सेंटर में भी उन्हें समस्याओ का सामना करना पड़ा, मजदूरों से आधार कार्ड की कॉपी मांगी गई और ईलाज के लिये 270 रुपये की मांग की गई। मजदूरों के पास 1 रुपया भी नही था, जैसे तैसे एडवोकेट ने पैसे का भी भुगतान करवाया, इसके बार घायलों का इलाज करवाया। दिनाक 27 जून की सुबह रामपुरा थाने में जाकर मजदूरों की शिकायत पर की गई रिपोर्ट की कॉपी ली और ईंट भट्टे पर मजदूरों का खाने पीने का सामान दिलवाने पुलिस के साथ भेजा, अब आगे की कानूनी कार्यवाही हेतु मजदूरों को आश्वासन दिया कि वे उनकी निशुल्क सहायता करेंगे।

ओबीसी वर्ग को बड़ा लाभ देने पर सीएम नायब सिंह सैनी का आभारः एडवोकेट जीवन हितेषी

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। वार्ड नं 03 से जिला पार्षद एडवोकेट जीवन हितेषी ने हरियाणा में ओबीसी वर्ग के कल्याण और युवाओं को सरकारी नौकरी में बड़ा लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में नौकरियों में पिछड़े वर्गों के आरक्षण के अंदर, कीमिलेयर की वार्षिक आय सीमा सभी स्त्रोतों से 6 लाख थी जिसे अब प्रदेश सरकार ने बढाकर नौकरियों में यह किमिलियर 8 लाख रुपये वार्षिक कर दी। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार की तर्ज पर इस आय में वेतन और कृषि से आय को शामिल नहीं किया जाएगा, जिससे लाखों लोगों को लाभ होगा। हितेषी ने कहा पहले ग्रुप-ए और ग्रुप -बी के पदों में पिछड़े वर्गों का आरक्षण 15 प्रतिशत था जिसे अब केंद्र सरकार की तर्ज पर 15 प्रतिशत से बढ़ाकर सभी पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत किया गया है। इसके अलावा नौकरियों में पिछड़ा वर्ग -ए और बी के बैकलाग को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा। इसके लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया जाएगा।

ओबीसी वर्ग के युवाओं को रोजगार सहज ढंग से मिले, इसके लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम में नियुक्ति के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बात भी मुख्यमंत्री ने कही है। श्री हितैषी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि ओबीसी समाज के हितों की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी तरह से सजग है। विगत 10 वर्षों में हरियाणा प्रदेश में ओबीसी समाज के हर स्तर पर लाभ पहुंचाने में सरकार ने अपना दायित्व निभाया है।

जिला परिवेदना समिति की बैठक 30 को बाल भवन में

विद्यालय शिक्षा राज्य मंत्री सीमा त्रिखा करेंगीं परिवादों की सुनवाई

समचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिला के नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक रविवार 30 जून को को दोपहर 12 बजे बाल भवन रेवाड़ी स्थित ऑडिटोरियम में हरियाणा की विद्यालय शिक्षा राज्य मंत्री एवं चेयरपर्सन जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति सीमा त्रिखा की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में 12 नए व 3 पुराने परिवादों सहित कुल 15 परिवादों की सुनवाई की जाएगी।

डीसी राहुल हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित 12 नए परिवाद सहित पिछली बैठक में लंबित 3 परिवाद निपटारे के लिए रखे जाएंगे, जिनकी सुनवाई राज्यमंत्री सीमा त्रिखा द्वारा की जाएगी। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्धारित तिथि व समय पर रिपोर्ट सहित बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

कनीना में कार्यरत कम्पनी कर्मचारी ने ग्राहकों की फर्जी रसीदें तैयार कर लगाया चूना

शिकायत होने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ किया केस दर्ज

कनीना सुनील दीक्षित

कनीना में कार्यरत दिगम्बर कैपफिन कम्पनी में कार्यरत कर्मचारी पवन कुमार वासी नांगल मोहनपुर द्वारा ग्राहकों को दिए गए ऋण की फर्जी रसीदें तैयार कर मोटी रकम का गबन कर दिया। जिसका खुलासा होने पर कम्पनी मुख्यालय जयुपर के कर्मी श्रीकांत बोहरा ने बीते समय हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। गृहमंत्री के हस्तक्षेप के बाद कनीना थाना पुलिस ने गबन के आरोपी कर्मचारी पवन कुमार के खिलाफ धोखाधडी का केस दर्ज कर लिया है। श्रीकांत बोहरा की ओर से गृहमंत्री को भेजी गई शिकायत में कहा कि उनकी कम्पनी आरबीआई से लाईसेंस लेकर आमजन को ऋण उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। कम्पनी की एक शाखा कनीना में भी संचालित है जिसका प्रधान कार्यालय आनंद मोती,हिम्मत नगर गोपालपुरा जयपुर में है। आरोपी पवन कुमार वासी नांगल मोहनपुर उनकी कनीना स्थित कम्पनी में कार्यरत था। जिसके द्वारा कम्पनी के ग्राहकों के फर्जी कागजात तैयार कर उनके द्वारा लिए गए ऋण की राशि स्वयं फर्जी तरीके से धोखाधडी कर रकम का गबन किया है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। सिटी थाना इंचार्ज निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि दिगम्बर कैपफिन कम्पनी में कार्य करने वाले आरोपी कर्मचारी पवन कुमार के विरूध धोखाधडी का केस दर्ज कर लिया गया है। जिसकी गहनता से जांच की जा रही है।

पानी की बबार्दी रोकने के लिए रामबास में चलाया जागरूकता अभियान

पंचायत सद्स्यों एवं जलकर्मियों ने लिया हिस्सा

कनीनाः सुनील दीक्षित

कनीना उपमंडल के गांव रामबास में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से जल बचाओ जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसकी अध्यक्षता सरपंच सरोज देवी ने की। पंचायत सद्स्यों के साथ कर्मियों ने गांव में घूमकर पेयजल कनेक्सनों की जांच की। कुछ घरों में नल खुले चलते पाए गए जिससे पानी व्यर्थ बह रहा था। व्यर्थ बहते पानी को लेकर उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक किया। बिना टोंटी के चल रहे नलों पर वॉल लगाने के लिए उपभोक्ताओं को हिदायत दी गई। सरपंच ने कहा कि वे आदर्श गांव की संकल्पना रखती है। उन्होंने ग्राम वासियों से जल संरक्षण करने के अलावा स्वच्छता बनाए रखने, पेड-पौधों को संरक्षण प्रदान करने,जोहडों को साफ व सुंदर रखने के लिए प्रेरित किया।

रामबास गांव को आदर्श गांव बनाने की दिशा में ग्रामीणों का सहयोग अपेक्षित है। खंड संसाधन संयोजक मोहित कुमार ने ग्रामीणों को शुद्ध पर जलापूर्ति के बारे में बताया।

सब्जी उगाने व खुला नल चलाने वाले उपभोक्ताओं को पानी की बबार्दी रोकने के लिए सख्त हिदायत दी गई।

पेयजल की बबार्दी रोकने के लिए उन्होंने विभाग द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1800180 5678 का प्रयोग करने की जानकारी दी। इस अवसर पर गांव के बनवारी लाल,सिकंदर,राजेन्द्र,विरेन्द्र सिंह, सचिन,विकास,जयपाल, बस्तीराम, कर्मवीर, दिनेश सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

मातृभाषा सत्याग्रहियों की बढ़ाई पेंशन

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों, हिंदी आंदोलन-1957 के मातृभाषा सत्याग्रहियों और आपातकाल सत्याग्रहियों की मासिक पेंशन में वृद्धि की है। बढ़ी हुई पेंशन एक जुलाई 2024 से लागू होगी। डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि सरकार ने सेनानियों के सम्मान में कई योजनाएं शुरू की हैं। हरियाणा राज्य शुभ्र ज्योत्सना पेंशन योजना दिसम्बर 2017 में शुरू की गई थी। इसके तहत लोकतंत्र सेनानियों व उनकी विधवाओं को मासिक पेंशन दी जा रही है। एक जुलाई 2024 से उनकी मासिक पेंशन 10 हजार रुपये से 20 हजार रुपये हो जाएगी। इसके अतिरिक्त हरियाणा रोडवेज की सामान्य बसों में मुफ्त यात्रा तथा वाल्वो बसों में 75 प्रतिशत किराया माफ किया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त देने की सुविधा प्रदान की जा रही है। डीसी ने बताया कि हिंदी आंदोलन-1957 के मातृभाषा सत्याग्रहियों को दी जाने वाली मासिक पेंशन को भी बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों व उनके आश्रितों को दी जाने वाली सम्मान पेंशन की राशि भी 25 हजार रुपये से बढ़ाकर 40 हजार रुपये कर दी है।

आधे घंटे की बरसात ने खोली नगर परिषद की पोल

रेवाड़ी। जिले में बुधवार शाम साढ़े चार बजे झमाझम बरसात हुई। करीब आधा घंटे लगातार बारिश होने की वजह से शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं। नाई वाली चौक के पास जलभराव होने की वजह से वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में बाजारों में भी जलभराव हो गया। अनाज मंडी के आसपास के क्षेत्र में जलभराब हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कमोवेश इसी प्रकार से रही। बावल और धारूहेड़ा में भी बारिश हुई। जलभराव से पैदल आने जाने वाले लोगों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस समय में शहर के नालों की सफाई भी उचित तरीके से नहीं हो पाई है। इससे आधा घंटे में ही बरसाती पानी जमा हो गया। नालों की सफाई अधूरी होने की वजह से जगह-जगह जलभराव देखने को मिल रहा है। नगर परिषद की तैयारी भी देखने को नहीं मिल रही है। यही हाल बावल और धारूहेड़ा नगर पालिका का है। वहां पर भी नगर पालिका की तरफ से कोई भी तैयारी अभी नहीं की गई है। इस वजह से मानसून के समय में लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ सकता है। लगातार पड़ रही उमस भरी गर्मी से भी लोगों को राहत मिली है।

तापमान में तो गिरावट तीन-चार दिनों से दर्ज की जा रही थी। बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शाम के समय बरसात होने के बाद तापमान में काफी गिरावट देखने को मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस ओर न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज होगी। साथ ही बरसात की संभावना भी बनी रहेगी। यह स्थिति कई दिनों तक देखने को मिलेगी। इससे लोगों को गर्मी से भी काफी हद तक राहत मिलेगी। किसानों को भी इस बारिश से फायदा होगा, क्योंकि किसान बरसात का इंतजार कर रहे हैं।

फौजी के बेटे नरेंद्र ने अलास्का की चोटी पर फहराया तिरंगा

29 साल की उम्र में बनाया रिकॉर्ड

समचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी जिले नेहरूगढ़ गांव निवासी पर्वतारोही नरेंद्र यादव (जो कि एक फौजी का बेटा है) ने उत्तरी अमेरिका के अलास्का की सबसे ऊंची चोटी देनाली को फतह कर लिया है। पर्वतारोही नरेंद्र यादव ने 6190 मीटर ऊंची चोटी पर भारत का झंडा लहरा दिया है। नरेंद्र यादव इस पर्वत पर चढ़ने वाले पहले भारतीय युवा बन गए हैं, इससे पहले देनाली को फतह कर विश्व रिकार्ड बनाने वाले युवा की उम्र 31 साल एक महीना 25 दिन थी। नरेंद्र यादव ने 29 साल 6 महीने 8 दिन की उम्र में उसका रिकॉर्ड तोड़कर अपने नाम कर लिया है। इस अभियान में दुनिया भर के पर्वतारोही ने हिस्सा लिया था। अभियान को आईपीएल एवं बायोलॉजिकल ने प्रायोजित किया है। 15 जून को नरेंद्र यादव चार्टर फ्लाइट से बेस कैंप पहुंचे। वहां से निकल कर 23 जून को रात 10:29 पर उन्होंने तिरंगा फहराकर विश्व के मानचित्र पर भारत का नाम अंकित कर दिया है। नरेंद्र यादव ने मीडिया को बताया कि देनाली को घातक पर्वत भी कहा जाता है। यह पर्वत तकनीकी तौर पर बहुत ही है। अत्यधिक ठंड और तेज बफीर्ली हवा में इस पर्वत पर चढ़ाई बहुत खतरनाक होती है। जोखिम भरा होने के कारण बहुत कम पर्वतारोही इस पर चढ़ने में कामयाब हुए हैं। आर्मी जवान कृष्ण चंद के बेटे नरेंद्र यादव का सपना दुनिया के सभी सात महाद्वीपों पर फतह कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक में नाम लिखवाने का सपना है। नरेंद्र ने पांच महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी को फतह कर अनेक विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। स्कूली पढ़ाई के दौरान 12 साल की उम्र में ही नरेंद्र ने जम्मू कश्मीर की पहाड़ियों पर चढ़कर अपने पर्वतारोहण की प्रारंभिक शुरूआत की थी। वर्ष 2008 से इन्होंने नियमित तौर से पर्वतारोहण का अभ्यास शुरू कर दिया था इसके बाद महज 19 वर्ष की आयु में 6512 मीटर ऊंची भागीरथी टू वह 5612 मीटर ऊंची डीकेडी 2 गढ़वाल चोटी को फतह करके सबसे कम उम्र का पर्वतारोही का खिताब जीता था। अब अगला लक्ष्य अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी को फतह करना है।

टनकपुर-दौराई-टनकपुर त्रि-साप्ताहिक साप्ताहिक स्पेशल रेल का संचालन 1 जुलाई से

रेवाड़ी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 05097/05098, टनकपुर-दौराई (अजमेर)-टनकपुर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल गाड़ी संख्या 05097, टनकपुर-दौराई (अजमेर) त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा 1 जुलाई से 27 सितंबर तक (39 ट्रिप) टनकपुर से प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को 18.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 13.40 बजे दौराई (अजमेर) पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 05098, दौराई (अजमेर) -टनकपुर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा 2 जुलाई से 28 सितंबर तक (39 ट्रिप) दौराई से प्रत्येक मंगलवार, वीरवार व शनिवार को 16.05 बजे रवाना होकर अगले दिन 9.45 बजे टनकपुर पहुंचेगी। यह रेल सेवा मार्ग में खटीमा, पीलीभीत, भोजीपुरा, इज्जतनगर, बरेली सिटी, बरेली जं, चन्दौसी, मुरादाबाद, गजरौला, गाजियाबाद, दिल्ली जं., दिल्ली कैंट, गुरुग्राम, रेवाड़ी, नारनौल, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर, रींगस, फुलेरा व किशनगढ़ स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेल सेवा में 1 सेकंड एसी, 3 थर्ड एसी, 7 द्वितीय शयनयान, 5 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 18 डिब्बे होंगे। रेलवे की तरफ से खाटू श्याम जी में श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा के लिए रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09637, रेवाडी-रींगस स्पेशल रेलसेवा 2 जुलाई, 6 जुलाई, 7 जुलाई, 13 जुलाई, 14 जुलाई, 17 जुलाई, 20 जुलाई, 21 जुलाई, 27 जुलाई, 28 जुलाई व 31 जुलाई को (11 ट्रिप) रेवाड़ी से 11.40 बजे रवाना होकर 14.40 बजे रींगस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09638, रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा 2 जुलाई, 6 जुलाई, 7 जुलाई, 13 जुलाई, 14 जुलाई, 17 जुलाई, 20 जुलाई, 21 जुलाई, 27 जुलाई, 28 जुलाई व 31 जुलाई को (11 ट्रिप) रींगस से 15.00 बजे रवाना होकर 18.20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में कुंड, काठूवास, अटेली, नारनौल, अमरपुर जोरासी, निजामपुर, डाबला, मांवडा, नीम का थाना, कावंट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 8 द्वितीय साधारण श्रेणी एवं 2 गार्ड श्रेणी के कुल 10 डिब्बे होंगे।

नागरिकों की सुविधा के लिए लगाए जा रहे हैं समाधान शिविरः एडीसी आनंद शर्मा

नागरिकों ने की सराहना- कहा एक ही जगह पर सभी अधिकारी मिलने से मिली है बड़ी राहत

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र फरीदाबाद प्रदेश सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आमजन की समस्याओं के त्विरत निवारण के उद्देश्य से शुरू किए गए समाधान शिविर में एडीसी डॉ. आनंद शर्मा ने आज वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में सुबह 09:00 बजे समाधान शिविर लगाकर लगभग पांच दर्जन नागरिकों की समस्याएं सुनी। शिविर में डीसीपी ट्राफिक उषा देवी, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह व सीटीएम अंकित कुमार सहित ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य वजीर डागर भी मौजूद रहे। आज वीरवर को आयोजित समाधान शिविर में 50 समस्याएं आई तथा 12 समस्याओं का आज ही के दिन समाधान कर दिया गया। एडीसी ने बताया कि बाकी बची हुई 38 समस्याओं के जल्द समाधान के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर समाधान शिविर में पहुंचे लोगों ने कहा कि सभी अधिकारी एक जगह पर मिलने से इनको काफी राहत मिली है। बता दें कि जिला मुख्यालय के साथ उपमंडल स्तर पर भी संबंधित एसडीएम द्वारा आमजन की समस्याओं की सुनवाई की जा रही है। समाधान शिविरों में सुबह 9:00 बजे से ही फरियादी पहुंचने शुरू हो गए। एक-एक कर एडीसी ने फरियादियों को अपने समक्ष बुलाकर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जनता से सीधे रूप से जुड़े विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वें नागरिकों की समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील होकर कार्य करें। सरकार के निर्देशानुसार जरूरतमंद लोगों को पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को एडीसी के निर्देश, दाखिलों के मद्देनज़र जाति सिर्टिफिकेट से सम्बंधित समस्याओं का करें जल्द समाधान एडीसी डॉ. आनंद शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि जाति से समबिन्धत सिर्टिफिकेट और अंबेडकर योजना तथा अन्य योजनाओं के समाधान शिविरों में आए आवेदनों को ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर यथाशीघ्र पूरा करना सुनिश्चित करें। ताकि आम जनता और विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। बैठक में एसडीएम बड़खल अमति मान व सभी तहसीलों के तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

समस्या का जल्द समाधान न होने पर होगा धरना प्रदर्शनः- शारदा राठौर

समाचार गेट/ब्यूरो

बल्लभगढ़। भीकम कॉलोनी में सीवरेज जाम की समस्या से परेशान कॉलोनिवासियो ने बृहस्पतिवार को तिगांव रोड पर जाम लगा दिया। इस दौरान पूर्व विधायक शारदा राठौर मौके पर पहुंची और कॉलोनी वासियों की समस्या सुनी। इस पर उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कॉलोनी वासियों की समस्या का समाधान जल्द नहीं हुआ तो वे नगर निगम मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे।भीकम कॉलोनी में पिछले काफी समय से सीवरेज जाम की समस्या चली जा रही है। इस समस्या को लेकर कॉलोनी के लोग कई बार नगर निगम अधिकारी मंत्री से शिकायत कर समस्या का समाधान करने की मांग कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इससे परेशान कॉलोनी वासियों ने तिगांव रोड पर जाम लगा दिया। इस मौके पर पूर्व विधायक शारदा राठौर कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंची। इस दौरान उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से फोन पर संपर्क कर उन्हें बुलाया और मौके पर लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए कहा । मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने उन्हें जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद पूर्व विधायक ने कहां की अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं होता है तो वह कॉलोनी वासियों के साथ मिलकर निगम के मुख्यालय का घेराव कर प्रदर्शन करें । इसके बाद लोगों को समझाया और जाम खुलवाया।

संक्षिप्त समाचार

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता नकद पुरस्कार के लिए करें आवेदनःआनंद शर्मा

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने बताया कि खेल विभाग हरियाणा पंचकूला द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए 01.01.2023 से 31.03.2024 तक की खेल उपलिब्धयों के आधार पर राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता/प्रतिभागिता खिलाडी को नकद पुरस्कार तथा छात्रवृति प्रदान करने के लिए पूर्व वर्षो की तरह आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता प्रतिभागिता करने वाले खिलाडी नकद पुरस्कार के लिए आवेदन करें।अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि राज्य, राष्ट्रीय,अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विजेता और प्रतिभागिता करने वाले सामान्य श्रेणी व अनुसूचित जाति के खिलाडी छात्रवृति के लिए अपने आवेदन पत्र समस्त औपचारिकताऐं पूर्ण जरूर करें। इस बारे में जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी देवेन्द्र सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता/प्रतिभागिता करने वाले खिलाडी नकद पुरस्कार के लिए तथा राज्य/राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विजेता/प्रतिभागिता करने वाले सामान्य श्रेणी व अनुसूचित जाति के खिलाडी छात्रवृति के लिए अपने आवेदन पत्र समस्त औपचारिकताऐं पूर्ण करके 30.07.2024 तक जिला खेल कार्यालय खेल परिसर सेक्टर-12 में जमा कर सकते है। उन्होंने कहा कि अिन्तम तिथि के बाद कोई आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। नकद पुरस्कार एवं छात्रवित के लिए आवेदन पत्र किसी भी कार्य दिवस मे खेल अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर खेल विभाग की वेबसाईट से डाउनलोड कर सकते है।शराब के नशे में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर बियर की खाली बोतल से किया हमला

शराब के नशे में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर बियर की खाली बोतल से किया हमला

समाचार गेट/एजेंसी

नीमका गांव इलाके में बीते 25/ 26 की रात को शराब के नशे में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर बियर की खाली बोतल से हमला कर दिया। जिसके चलते पेट में लगी बियर के कारण इलाज के दौरान घायल जितेंद्र उर्फ जीतू की मौत हो गई। फिलहाल मृतक के शव को बादशाह खान से अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।मृतक के जीजा सुरजीत ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि उनका साला जितेंद्र उर्फ जीतू (23) मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जट्टारी इलाके का रहने वाला था। जीतू घर का खर्च चलाने के लिए ऑटो चलाता था और इसी के चलते हुए फरीदाबाद के नीमका गांव इलाके में किराए के मकान में अकेले रहता था।सुरजीत ने बताया की अभी जितेंद्र की शादी नहीं हुई थी। बीते 25 / 26 तारीख की रात को उसके पड़ोस में रहने वाले उसी के पड़ोसी दोस्त सोनू के साथ पहले उसने शराब पी फिर किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। बाद में दोनों अपने-अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। लेकिन कुछ दिन बाद उसका पड़ोसी बियर की बोतल लेकर आया और जितेंद्र के साथ गाली गलौज करने लगा। जितेंद्र गाली गलौज सुनने के बाद जब अपने कमरे से बाहर निकाला तो पड़ोसी दोस्त ने उस पर बियर की बोतल से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसमें जितेंद्र के सिर से लेकर शरीर तक बियर की बोतल के चार निशान मिले हैं। आरोपी ने जितेंद्र के पेट में बियर की बोतल घोंप दी। जिसके चलते उसका पेट बुरी तरह फट गया। घटना के बाद जितेंद्र को पहले फरीदाबाद के बादशाह खान सिविल अस्पताल लाया गया।लेकिन यहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। लेकिन दिल्ली जाने के बाद भी जितेंद्र को अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। फिर उसके परिजन उसे फरीदाबाद की एक निजी अस्पताल में लेकर आए। जहां उसे भर्ती कराया जाए, लेकिन पैसों के अभाव में उसका सही से इलाज नहीं हुआ। इसके बाद फिर उसे दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया। बीते कल देर शाम को दिल्ली जाते समय जितेंद्र ने दम तोड़ दिया।

सीवर ओवरफ्लो की समस्या को लेकर तिगांव रोड पर लगाया जाम

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद । वीरवार को बल्लभगढ़ के लोगों ने सीवर ओवरफ्लो की समस्या को लेकर तिगांव रोड पर जाम लगा दिया। इस मौके पर स्टेट जर्नल सेकेट्री महिला कांग्रेस से वंदना सिंह मौजूद रही। जिन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी व निगम अधिकारी से आम जन जनमानस को परेशानियों से अवगत कराया और चेतावनी देते हुए कहा कि इन आम जनमानस की समस्या का तत्काल समाधान होना चाहिए अन्यथा निगम कार्यालय पर भी धरना प्रदर्शन किया जाएगा कांग्रेस नेत्री के आने से आम जनता में कांग्रेस नेत्री वंदना सिंह को धन्यवाद किया ।वही गुस्साएं लोगों ने करीब 4 घंटे तक जाम लगाएं रखा। मौके पर पुलिस की 3 टीमें जाम खुलवाने पहुंची परंतु लोगों ने जाम नही खोला। जाम की सूचना पाकर निगम के एसडीओ और जेई पहुंचे और उन्होंने लोगों से जाम खोलने व सीवर की साफ-सफाई का आश्वासन दिया परंतु लोग अपनी मांग को लेकर अडे रहे। एक महीने से सडकों पर जमा है सीवर का गंदा पानीशिव कॉलोनी व भुद्दत कॉलोनी के लोगों का कहना है कि कई बार निगम अधिकारियों से साफ-सफाई को लेकर गुहार लगाई है परंतु अभी तक सुनवाई नही हुई। भुद्दत कॉलोनी गली नंबर 2 तिगांव रोड पर स्थित सैंकडों लोग सीवर ओवरफ्लो की समस्या से जूझ रहे है। महिलाएं बताती है कि सीवर का गंदा पानी घरों में भी घुस रहा है जिससे बच्चों की तबीयत खराब होने लगी है। सीवर ओवरफ्लो होने के कारण बच्चे गलियों में भी नही खेल सकते बच्चों का खेलना भी बंद हो गया है। क्या कहते है लोग सीवर ओवरफ्लो की समस्या से काफी लोग परेशान है। मानसून आने वाला है और अगर ऐसे में समय रहते सीवर के जाम से लोगों को मुक्ति नही दिलाई गई तो बरसात के दिनों में महामारी फैलने के आसार बन जाएंगे। न तो निगम प्रशासन सुध ले रहा है और न ही बल्लभगढ़ विधानसभा के नेता। जनता परेशान है और भाजपा नेता आखें मूंद कर बैठे है। आने वाले विधानसभा चुनावों में जनता अपने दुखों का हिसाब बराबर करने को बेताब बैठी है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी मातृ शक्ति उद्यमिता योजना : अतिरिक्त उपायुक्त

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने कहा कि मातृशिक्त उद्यमति योजना से आत्मनिर्भर महिलाएं बनेगी। उन्होंने कहा कि मातृशिक्त उद्यमति योजना के अंतर्गत,। इस योजना के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार स्थापित करके दूसरे नागरिकों को भी रोजगार प्रदान कर सकेंगी।बता दें कि प्रदेश सरकार सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार महिलाओं को सशक्त स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिनके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता से लेकर स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता प्रदान की जाती है।अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने बताया की हरियाणा सरकार ने महिला सशिक्तकरण की दिशा में हरियाणा मातृशिक्त उद्यमति योजना शुरू की गई है। इस योजना का लाभ महिलाओं को केवल तभी प्रदान किया जाएगा। जब उनकी पारिवारिक

महिलाओं को उद्योग खोलने के लिए 3 लाख रुपए तक का ऋण केवल 7 प्रतिशत ब्याज दर पर प्रदान किया जाता ह

आय 5 लाख या फिर इससे कम हो, साथ ही महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वह पूर्व के किसी ऋण मामले में डिफाल्टर नहीं होनी चाहिए। महिला का हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य है। यह योजना महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहद कारगर सिद्ध होगी तथा उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।उन्होंने बताया कि योजना से जुड़ी जानकारी के लिए सेक्टर-12 लघु सचिवालय की में स्थित हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस के समय प्रातः 09:00 से 05:00 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

पानी की समस्या को लेकर प्रेम नगर के लोगों ने गोल्डी बरेजी के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय पर किया जोरदार प्रर्दशन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। पिछले 4-5 महीने से पानी की समस्या झेल रहे प्रेम नगर सेक्टर 4 के सैकड़ो लोगों ने कांग्रेसी नेता गोल्डी बरेजा के नेतृत्व में सेक्टर-12 उपायुक्त कार्यालय के बाहर पानी की समस्या को लेकर जोरदार प्रर्दशन किया व उपायुक्त की गैर हाजिरी में उनका कार्यभार संभाल रहे एडीसी आनन्द शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर गोल्डी बरेजा हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार व उनकी नीतियों पर जमकर बरसे। गोल्डी बरेजा ने बताया की लगभग 4 से 5 महीने से पानी की भीषण समस्या प्रेम नगर व सेक्टर 7 और 8 के कुछ इलाके में चल रही है। जिसकी सूचना सभी नगर निगम अधिकारियों व एफएमडीए के अधिकारियों सहित सभी बीजेपी नेताओं को है।

लेकिन उसके बाद भी कोई कार्यवाही ऐसी नहीं हुई जिससे लोगों को राहत मिल सके। गोल्डी बरेजा और उनके साथ आए लोगों की बात ध्यान से सुनने के बाद अतिरिक्त उपायुक्त व एफएमडीए के चीफ इंजीनियर विवेक बंसल ने अधिकारियों से बात कर आश्वासन दिया कि कल से सुबह व शाम दो टाइम दो-दो घंटे कम से कम पानी की सप्लाई प्रेम नगर स्लम एरिया में दी जाएगी। गोल्डी बरेजा ने चेतावनी देते हुए कहा है

अगर सरकार ने हमारी इस समस्या को अनदेखा किया तो हम एक बड़े आंदोलन का आगाज करेंगे जिस-ाका परिणाम हरियाणा सरकार को व फरीदाबाद के नेताओं को भुगतना पड़ेगा। इस अवसर पर अशोक राठौड़, बाबर,सुशील अमन, आजाद,रवि ,उमेश, राधेश्याम, पिंकी, मीनू, शोभा, सविता, पूनम, पूजा, नेहा, रेखा, बेबी, बिमला, सुनीता, सीमा, गुलाबी, आशा आदि मौजूद रहे।

ब्लाइन्ड क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हरियाणा ने हिमाचल और राजस्थान ने जम्मू को हराया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। तीन दिवसीय ब्लाइन्ड क्रिकेट टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मैच लॉर्ड्स क्रिकेट अकेडेमी पर प्रारंभ हुआ। पहला मैच हरियाणा एवं हिमाचल के बीच और दूसरा राजस्थान और जम्मू के बीच खेला गया। 20 ओवर के मैच मे हिमाचल की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 181 रन बनाए जबकि हरियाणा की टीम ने 3 विकेट पर 182 रन बनाकर जीत हासिल की। दूसरे मैच में जम्मू ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 142 रन बनाए जबकि राजस्थान ने 3 विकेट पर 143 रन बना कर जीत हासिल की । मैच फरीदाबाद शहर के जाने माने चार्टर्ड अककोउन्टेन्ट संजय चांडक ने टॉस कर और पहली बाल फेक कर सेमीफाइनल मैच शुरू किया। सी ए संजय चांडक ने काफी समय तक बैठकर मैच देखा और कॉमेंटरी भी की। उन्होंने कहा कि ब्लाइन्ड खिलाडियों के मैच भी किसी तरह रणजी ट्रॉफी से कम नहीं है,

जहां साइटेड खिलाडियों के 20 ओवर मैच मे 140 या 142 रन बनते है वहाँ ब्लाइन्ड मैच में 20 ओवर मे 150 से अधिक रन बन रहे है, उन्होंने टीम की हौसला अफजाई की ।इस तरह अब हरियाणा और राजस्थान फाइनल में पहुच गई और फाइनल मैच लॉर्ड्स क्रिकेट अकादमी पर हरियाणा और राजस्थान के बीच खेला जाएगा। हरियाणा नेत्रहीन क्रिकेट संगठन के अध्यक्ष अजीत पटवा ने सी ए संजय चांडक का टॉस कर मैच शुरू करने का आभार ज्ञापित किया। सी ए अजीत पटवा ने कहा क्रिकेट बोर्ड हर संभव कोशिश करता है जिससे ब्लाइन्ड मेन व महिला क्रिकेट खिलाड़यों का विकास होता रहे ।

जिला कुमार, जिला केसरी कुश्तियां हुई सम्पन्नः देवेन्द्र गुलिया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद, 27 जून। जिला खेल अधिकारी देवेन्द्र गुलिया ने बताया कि सेक्टर-12 खेल परिसर में आयोजित दो दिवसीय जिला कुमार, केसरी व जिला अखाड़ा कुश्ती प्रतियोगिता सम्पन्न हो गई हैं। दो दिवसीय जिला कुमार, केसरी व जिला अखाड़ा कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाडियों में बढचढ भाग लिया।ये रहे जिला केसरी और जिला कुमार के फाइनल रजिल्टः-जिला खेल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार फाईनल रजिल्ट जिला केसरी पुरुष फ्री स्टाइल में प्रथम हिमांशु भडाना, द्वितीय शिवम रहे। जिला कुमार के पुरुष वर्ग में फ्री स्टाइल में प्रथम नीरज, द्वितीय जय सैनी, जिला केसरी पुरुष ग्रीको रोमन में प्रथम नवीन रावत, द्वितीय अनुज, जिला कुमार पुरुष ग्रीको रोमन में प्रथम हेमंत, द्वितीय स्थान पर युवराज रहा। वहीं जिला केसरी महिला फ्री स्टाइल में प्रथम आकांक्षा चपराणा, द्वितीय कुमकुम ढगेश ने प्राप्त किया। जिला कुमारी महिला फ्री स्टाइल में प्रथम एकता लांबा, द्वितीय अर्चना रही।जिला खेल अधिक देवेन्द्र गुलिया ने आगे बताया कि फाइनल रजिल्ट अंडर 17 ग्रीको रोमन में 45 किलोग्राम भार में प्रथम सौरभ, 48 किलोग्राम भार में प्रथम सौमदत्त, 51किलोग्राम भार में प्रथम निखिल द्वितीय योगेश, 55 किलोग्राम भार में प्रथम दीपक, द्वितीय रॉकी, 60 किलोग्राम भार में प्रथम पुनीत, द्वितीय विशाल, 65 किलोग्राम भार में प्रथम दक्ष, द्वितीय तनिश, 71 किलोग्राम भार में प्रथम रोहित, द्वितीय रणबीर, 80 किलोग्राम भार में प्रथम कार्तिक, द्वितीय कार्तिक, 92 किलोग्राम भार में लक्ष्य,110 किलोग्राम भार में प्रथम अक्षय, द्वितीय ओम यादव रहे। वहीं फाइनल रजिल्ट अण्डर 17 लडके फ्री स्टाइल में 45 किलोग्राम भार में प्रथम विवेक, द्वितीय मयंक, तृतीय हितेश, 48 किलोग्राम भार में प्रथम नीरज, द्वितीय वेद प्रकाश, तृतीय प्रिंस, 51 किलोग्राम भार में प्रथम जीतेन, द्वितीय वीरेन, तृतीय निखिल, 55 किलोग्राम भार में प्रथम पवन, द्वितीय वैभव, तृतीय नैतिक, 60 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम कर्त्तव्य, द्वितीय कुणाल, तृतीय नितिन, 65 किलोग्राम भार में प्रथम कृत, 71 किलोग्राम भार में प्रथम कृतार्थ , द्वितीय अनिल, तृतीय दीपक, 80 किलोग्राम भार में प्रथम हर्ष, द्वितीय सुशांत, 92 किलोग्राम भार में प्रथम निशांत,110 किलोग्राम भार में प्रथम लक्ष्य राणा रहे।

इसी कडी में फाइनल रजिल्ट अण्डर -17 लिडकया फ्री स्टाइल में 36 से 40 किलोग्राम भार में प्रथम संजना, 43 किलोग्राम में प्रथम कनिका, द्वितीय कृतिका, 49 किलोग्राम भार में प्रथम प्रिया, द्वितीय सलोनी, तृतीय राधिका, 53 किलोग्राम भार में प्रथम नैना, द्वितीय प्राची, तृतीय हिना, 57 किलोग्राम में प्रथम निशा भारद्वाज, द्वितीय उर्वशी, 61 किलोग्राम में प्रथम अर्चना, 65 किलोग्राम में एकता लांबा, 73 किलोग्राम में महक चौधरी रहे।फाईनल रजिल्ट सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल में 57 किलोग्राम में प्रथम आकाश, 61 किलोग्राम में प्रथम अभिषेक भाटी, 65 किलोग्राम में साहिल त्रिपाठी, 70 किलोग्राम में प्रथम मोंटी नागर, द्वितीय बबलू, तृतीय कुशलदीप, 74 किलोग्राम में प्रथम विशाल, 79 किलोग्राम में मनीष चंदीला, 86 किलोग्राम में गौरव, 92 किलोग्राम में नविन रावत, 97 किलोग्राम में प्रथम हिमांशी भडाना, द्वितीय गौरव, 125 किलोग्राम में प्रथम हंस रहे। फाईनल रजिल्ट सीनियर महिला फ्री स्टाइल में 50 किलोग्राम नैंसी, 53 किलोग्राम साक्षी, 62 किलोग्राम में कुमकुम धगेश, 76 किलोग्राम में प्रथम आकांक्षा चपराना रही। इसी प्रकार फाईनल रजिल्ट सीनियर पुरुष ग्रीको रोमन में 55 किलोग्राम में प्रथम महेश, 60 किलोग्राम में प्रथम भूपेंद्र यादव, 63 किलोग्राम में प्रथम कुणाल, 67 किलोग्राम में प्रथम जयप्रकाश, 72 किलोग्राम में प्रथम साहिल, 77 किलोग्राम में प्रथम मोहित, 82 किलोग्राम में प्रथम तुषार, 87 किलोग्राम में कर्ण, 97 किलोग्राम में प्रथम गौरव रहे। फाईनल रजिल्ट लडके अंडर 21 में 60 किलोग्राम में प्रथम निशांत, 63 किलोग्राम में रोहन, 67 किलोग्राम में प्रथम युवराज, 72 किलोग्राम में प्रथम देव नागर, 77 किलोग्राम में शुशांत वशिष्ठ, 82 किलोग्राम में प्रथम राहुल, 87 किलोग्राम में प्रथम अनुज रहे। फाईनल रजिल्ट लिडकयों अंडर 21 में 59 किलोग्राम में प्रथम प्राची, 68 किलोग्राम में प्रथम स्नेहा दिहया रही।फाईनल रजिल्ट लडके अंडर 21 फ्री स्टाइल में 57 किलोग्राम में प्रथम रुपेश, 61 किलोग्राम में प्रथम पुष्प, द्वितीय आकाश, 65 किलोग्राम में प्रथम हेमंत, द्वितीय वंश नागर, 70 किलोग्राम में प्रथम नीरज, द्वितीय शुभम, 74 किलोग्राम में प्रथम जय सैनी, द्वितीय जितेंद्र, 79 किलोग्राम में प्रथम सत्यांश त्रिपाठी, 86 किलोग्राम में प्रथम दीपक, 92 किलोग्राम में प्रथम शिवम, 97 किलोग्राम में प्रथम ऋषभ, 125 किलोग्राम में प्रथम दीपक दलाल रहे।

संपादकीय

बिरला के बयान से मचा घमासान

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

संपूर्ण विपक्ष और खासकर कांग्रेस पार्टी ने चुनावों में 'संविधान बचाओ' का खूब नारा लगाया। विपक्ष ने मतदाताओं के मन में भय पैदा करने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार सत्ता में लौटी तो संविधान बदलकर आरक्षण खत्म कर देगी। इसका उत्तर प्रदेश में खासा असर हुआ और बीजेपी की सीटें आधी हो गईं। इससे उत्साहित विपक्ष और खासकर राहुल गांधी संवाददाता सम्मेलनों से लेकर संसद तक संविधान की प्रतियां लहराने लगे। राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी सासंदों ने पद की शपथ लेते वक्त संविधान की प्रति हाथ में थामे रखी। इस पर सत्ता पक्ष को जवाब देना था। फिर 25 जून की तारीख भी आई। यह वही तारीख थी जब 50 वर्ष पहले इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने देश में आपातकाल लागू किया था। बीजेपी ने 'संविधान की रट' के जवाब में कांग्रेस को आपातकाल से घेरा। सवाल है कि क्या अब विपक्ष संविधान पर सरकार को घेरना छोड़ेगी? अगर नहीं तो क्या संसद में शांति की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए?

प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरी मेहताब ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला के चयन की घोषणा की तो राहुल गांधी बधाई देने पहुंच गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राहुल को आते देख इशारे से कहा- आइए। राहुल पहुंचे तो पहले बिरला और फिर मोदी से हाथ मिलाया। तब तक संसदीय कार्य मंत्री की हैसियत से किरेन रिजिजू भी आए और तीनों ने मिलकर ओम बिरला को अध्यक्ष के आसन तक पहुंचाया। वहां भ्रतृहरी मेहताब ने उनका स्वागत किया और उनके लिए आसन छोड़ दिया। फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी और आखिर में किरेन रिजिजू ने अध्यक्ष का अभिवादन किया। तब ऐसा लगा जैसे अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच बातचीत टूटने के बाद राहुल गांधी का पीएम मोदी का नाम ले-लेकर हमले से सत्ता पक्ष और विपक्ष में जो खाई पैदा हुई, वो पट चुकी है। लेकिन कुछ ही समय बाद ऐसी स्थिति बन गई जिससे लगा कि क्या संसद में शांति की उम्मीद की भी जा सकती है?

हुआ ये कि आसन पर विराजमान होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं विभिन्न दलों के प्रमुख सांसदों का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के 10 मिनट से ज्यादा के बधाई भाषण के बाद राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों ने संक्षेप में अध्यक्ष को बधाई दी। राहुल गांधी ने पहले वाक्य में बिरला को बधाई तो दी, लेकिन तुरंत यह भी कहने लगे कि अध्यक्ष महोदय को विपक्ष को भारतीयों की आवाज सदन में पहुंचाने का पर्याप्त मौका देना चाहिए। अखिलेश यादव ने भी 'बहुत-बहुत बधाई' देकर राहुल गांधी की अपील का ही समर्थन किया। बल्कि अखिलेश ने तो यहां तक कहा कि आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता ही है, सत्ता पक्ष पर भी रहे। बधाई की औपचारिकता पूरी होने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने अपना एक वक्तव्य दिया और सदन का माहौल तुरंत बदल गया। लोकसभा अध्यक्ष ने अपने पहले वक्तव्य में 50 साल पहले तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल की जोरदार निंदा की।

उन्होंने लंबे-चौड़े वक्तव्य में कई बार 'कांग्रेस' और 'काला दिन' का जिक्र किया। इस पर कांग्रेस पार्टी के सांसद खड़े हो गए और शोर करने लगे। हालांकि, उन्हें अपने गठबंधन साथियों से ही समर्थन नहीं मिला। सपा, टीडीपी और टीएमसी संसद ने आपातकाल पर अध्यक्ष के वक्तव्य का समर्थन किया और अपनी सीट पर बैठे रहे।

शोर-शराबे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ने अपना वक्तव्य पूरा किया और तुरंत अगले दिन गुरुवार के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा कर दी। थोड़ी देर पहले जिस सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच 'सब चंगा सी' जैसा माहौल दिखा था, वह तुरंत बदल गया और शोर-शराबे और हंगामे से सदन गूंज उठा।

सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सत्ता पक्ष के सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर तख्ती-पट्टी लेकर आपातकाल के खिलाफ नारेबाजी की।

उन्होंने आपातकाल के लिए कांग्रेस पार्टी से माफी की मांग की। बैनरों में तरह-तरह के नारे लिखे थे। एक नारा था- आपातकाल को न हम भूलेंगे, न माफ करेंगे और ना फिर कभी ऐसा होने देंगे।

मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों समेत सत्ता पक्ष के सांसदों ने जो बैनर थाम रखे थे, उनमें 'कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं', 'तानाशाही की मानसिकता कांग्रेस की असलियत है' जैसे नारे लिखे हुए थे। सभी ने नारे लगाए, 'माफी मांगो, माफी मांगो, इमर्जेंसी के लिए माफी मांगो।'

नारों के निहितार्थ

लोकसभा के सदस्यों से आवश्यक शिष्टता, शालीनता, मयार्दा, भाषाई संयम और व्यावहारिक विवेक की अपेक्षा करना तो लगभग संभव ही नहीं रह गया है। फिर भी उनके महत्त्वपूर्ण लोकतांत्रिक पद के अनुसार न्यूनतम शिष्टाचार की उम्मीद तो रहती ही है। लेकिन इस बार नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ लेते समय शपथ ग्रहण मंच को जिस तरह से अपने-अपने एजेंडे का माध्यम बनाया वह जितना हतप्रभ करने वाला था उतना ही दुखद भी था। भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने शपथ लेने के बाद ह्यश्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और नरेन्द्र मोदी जिंदाबादह्व के नारे लगाए। तो बरेली के भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने जय हिन्दू राष्ट्रवाद का नारा लगाकर धर्मनिरपेक्षवादी विपक्ष को सुई चुभाने का काम किया। इसी तरह अनेक नवनिर्वाचित सांसद एक के बाद एक अपने-अपने एजेंडे को सामने रखते हुए शपथ लेने के समय नारे लगाते देखे गए। लेकिन सबसे ज्यादा हैरत में डालने वाला शपथ ग्रहण ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता असद्दीन ओवैसी का रहा। उन्होंने विशुद्ध इस्लामिक तरीके से अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ लेने के बाद जो नारे लगाए वे थे जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन। प्रत्यक्षतः लग सकता है कि उनके ये नारे सत्ता पक्ष को चिढ़ाने के लिए थे। इन नारों से सत्ता पक्ष विशेषकर राष्ट्रवादी भाजपा का कुनबा चिढ़ा भी, गुस्सा भी हुआ और आक्रामक भी। लेकिन इस पक्ष के पास ऐसा कोई कानूनी औजार नहीं था जिससे इस तरह की शपथ लेने वाले, हर समय इस्लाम और मुसलमान की दुहाई देने वाले इस सांसद ओवैसी को दंडित जैसा कुछ किया जा सके। वस्तुतः ओवैसी जैसे मुस्लिम नेता ऐसी बातें भ्रमवश, चूकवश या सिर्फ उकसावे के लिए नहीं करते। इस तरह की चीजें उनके दूरगामी एजेंडे का हिस्सा होती हैं जिसमें इस्लामी वर्चस्व, धर्मनिरपेक्षता, लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं और इनके नाम पर मिली अभिव्यक्ति की आजादी इनके मुख्य एजेंडे के लिए सिर्फ कवच मात्र होते हैं। इसलिए ओवैसी के नारों के निहितार्थ से केवल भाजपा, आरएसएस कुनबे को कम, बल्कि कथित धर्मनिरपेक्षतावादियों को ज्यादा चिंतित होना चाहिए और उन्हें इस तरह की स्थितियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि इनमें भविष्य की जिन टकराहटों की आहट छिपी हुई है, वह इस देश में सांप्रदायिक सद्भाव के स्वप्न को कभी पूरा नहीं होने देगी।

चिंतन-मनन

आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढा।

बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।

मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

बारिश में अपनी बाइक के टायरों का इन टिप्स से रख सकते हैं ध्यान

बारिश का मौसम आते ही सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे बाइक या स्कूटर चलाना खतरनाक हो जाता है। गीली सड़कों पर टायरों का ग्रिप कम हो जाता है, जिससे फिसलन और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में दोपहिया वाहन चलाने वालों को अपनी बाइक या स्कूटर के टायर का खास तौर पर केयर करना जरूरी है। आप भी अगर इस चिंता से जूझ रहे हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। हम आपको कुछ बेहद आसान टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बारिश में भी अपनी बाइक के टायरों को सुरक्षित रख सकते हैं। सबसे जरूरी है कि आप अपनी बाइक के लिए सही टायर का चुनाव करें। बारिश के मौसम के लिए जिन टायरों के ट्रेड गहरे हों, उनका इस्तेमाल करें। गहरे ट्रेड पानी को बेहतर तरीके से निकालते हैं और सड़क के साथ बेहतर पकड़ प्रदान करते हैं। टायरों में हवा का सही दबाव बनाए रखना बहुत जरूरी है। कम हवा वाले टायरों में फिसलन का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए हो सके तो हर हफ्ते टायरों में हवा का दबाव चेक करें और जरूरत पड़ने पर इसे ठीक करें। बारिश में ध्यान से ब्रेक लगाएं। अचानक या तेज ब्रेक लगाने से टायर फिसल सकते हैं। सामान्य ब्रेकिंग का इस्तेमाल करें और दूरी बनाकर चलें। बारिश में हमेशा कम स्पीड से चलें। ज्यादा स्पीड से चलने से टायरों का कंट्रोल खोने का खतरा बढ़ जाता है। अपनी बाइक के टायरों का रेगुलर मेंटेनेंस करवाते रहें। इसमें टायरों को घुमाना, ट्रेड की गहराई चेक करना और किसी भी नुकसान के लिए उनकी टेस्टिंग करना शामिल है। आप अगर बारिश में बाइक या स्कूटर चलाते हैं तो पानी से भरे गड्ढों से बचें। गहरे पानी में टायर फंस सकते हैं

स्टूडेंट के साथ टीचर और पैरेंट्स की ऑनलाइन क्लास

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और करियर एडवाइस देने वाले परामर्शदाताओं के लिए करियर डेवलपमेंट पर वर्चुअल कार्यशालाओं की एक सीरीज आयोजित कर रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों, अभिभावकों, स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों को निर्णय लेने में मदद करना है। हर हफ़्ते एक ग्रुप पर केंद्रित एक वर्कशॉप होगी। सीबीएसई ने इन वर्कशॉप को विशेष रूप से प्रतिभागियों को करियर सलाह और निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया है। सीबीएसई ने कार्यशालाओं का एक शेड्यूल जारी किया है जिसमें तिथि, समय, विषय, वक्ता, रजिस्ट्रेशन और वेबिनार लिंक शामिल हैं। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, 'सभी संबंधितों को वेबएक्स पर या लाइवस्ट्रीम के माध्यम से सत्रों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रिंसिपल, शिक्षक और काउंसलर वर्कशॉप में भागीदारी का प्रमाण पत्र उन लोगों को दिया जाएगा जो लाइव सत्र के समापन के 24 घंटे के भीतर सत्र फीडबैक फॉर्म जमा करते हैं।'

सीबीएसई स्कूल के छात्रों के लिए डिजाइन की गई वर्कशॉप, उनकी अनूठी प्रतिभाओं और योग्यताओं को पहचान कर आत्मनिर्भरता बनने के लिए एक आधारभूत कौशल और चिंतनशील सोच को विकसित करेगी।

खुद को निखारने का मौका सीबीएसई बोर्ड ने कहा कि आत्म-अन्वेषण को प्रोत्साहित करने वाले माहौल को बढ़ावा देकर, छात्रों को उनकी अंतर्निहित शक्तियों को समझने और भविष्य के शैक्षिक और कैरियर के अवसरों के साथ इनका कैसे तालमेल बिठाया जा सकता है, यह समझने के लिए गाइड किया जाता है। अंतिम उद्देश्य छात्रों को उनकी क्षमताओं का लगातार आकलन करने और कार्यबल और शिक्षा क्षेत्रों में उभरते रुझानों के अनुकूल होने के लिए सरल तकनीकों से लैस करना है, जिससे उनकी शक्तियों का उनके करियर के रास्ते के साथ आजीवन संरेखण सुनिश्चित हो सके।

बारिश में बाइक-स्कूटर के इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को क्या-क्या दिक्कतें

मोटरसाइकल या स्कूटर में इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर बेहद जरूरी फीचर है, जिसमें राइडर्स को राइडिंग और स्पीड से जुड़ीं काफी सारी जानकारियां मिलती हैं। ऐसे में बारिश के मौसम में या पूरे मॉनसून के दौरान खतरा रहता है कि डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, यानी एलसीडी स्क्रीन में पानी जाने से खराब ना हो जाए और इससे गाड़ी की फंक्शनिंग प्रभावित हो जाए। सड़कों पर पानी जमा होने से फिसलन बढ़ जाती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा बारिश से बाइक के इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को भी कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में कारण बताना और इनका हल देना भी जरूरी है, तो चलिए आज इसी बारे में आपके लिए जरूरी जानकारियां साझा करते हैं। इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को अगर ठीक से सील नहीं किया गया है तो बारिश का पानी इसमें घुस सकता है। इससे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान हो सकता है, जिससे स्पीडोमीटर, ओडोमीटर, टर्न सिग्नल इंडिकेटर और अन्य जरूरी उपकरण काम करना बंद कर सकते हैं।

बारिश का पानी मेटल्स के पुर्जों को जंग लगा सकता है। इससे इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में लगे स्क्रू, बोल्ट और अन्य मेटल कॉम्पोनेंट्स जंग खा सकते हैं,

जिससे वे खराब हो सकते हैं और गिर सकते हैं। बारिश में इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर पर पानी की बूंदें जमा हो सकती हैं, जिससे उस पर लगे इंडिकेटर और डिस्प्ले दिखाई नहीं देते हैं।

इससे राइडर को बाइक या स्कूटर की स्पीड, फ्यूल लेवल और अन्य जरूरी जानकारी देखने में परेशानी हो सकती है। बारिश का पानी इलेक्ट्रिकल वायरिंग में घुसकर शॉर्ट सर्किट पैदा कर सकता है।

इससे इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में आग लग सकती है या बाइक की इलेक्ट्रिकल सिस्टम को नुकसान हो सकता है।आप अगर बारिश के मौसम में अक्सर मोटरसाइकल या स्कूटर चलाते हैं तो सुनिश्चित करें कि इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को ठीक से सील किया गया है और सभी इलेक्ट्रिकल कनेक्शन टाइट हैं।

साथ ही आप अगर अपनी बाइक को बाहर रखते हैं तो उसे ढककर रखें, जिससे कि बारिश का पानी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में न घुसे।

बारिश में दोपहिया वाहन धीरे चलाएं, क्योंकि ज्यादा स्पीड से पानी उड़ सकता है और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में घुस सकता है। इसके साथ ही अगर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में कोई खराबी दिखाई दे तो तुरंत मैकेनिक से संपर्क करें। खराबी को जल्द से जल्द ठीक करवा लें, जिससे कि आगे चलकर बड़ी समस्या ना हो।

साल में दो बार सीबीएसई बोर्ड एग्जाम जल्द लागू करने की तैयारी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय का स्कूली शिक्षा विभाग अब बोर्ड परीक्षा सुधार, ड्रॉपआउट स्टूडेंट्स को मेनस्ट्रीम के साथ जोड़ने समेत कई मिशन पर काम कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने शिक्षा नीति, नैशनल करिकुलम फ्रेमवर्क , ऑटोमेटेड परमानेंट अकैडमिक अकाउंट रजिस्ट्री यानी अपार , साल में दो बार बोर्ड परीक्षा व अन्य मुद्दों को लेकर सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार का कहना है कि सीबीएसई स्कूलों के करीब 10 हजार प्रिंसिपल्स से ऑफलाइन और वर्चुअल बैठक हुई है। उनसे साल में दो बार एग्जाम करवाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। स्कूल प्रिंसिपल्स से अपने सुझाव और राय लिखित रूप में देने को कहा गया है ताकि उनके सार्थक सुझावों की भी स्टडी हो सके। बोर्ड एग्जाम से जुड़े फैसले में उनकी राय को भी अहमियत मिलेगी। सीबीएसई भी अपने स्तर पर काम कर रहा है। साल में दो बार कब-कब होगी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा? बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप और शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भी डिटेल प्लान पर काम कर रहा है। इसी कड़ी में स्कूली विभाग के सचिव संजय कुमार ने सीबीएसई अधिकारियों व विशेषज्ञों के साथ स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ बैठक की थी।

एक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा कब-कब करवाई जा सकती है? इस पर भी स्कूल प्रिंसिपल्स अपनी राय रखेंगे। अभी हाल ही में यूजीसी ने एक वर्ष में दो बार एडमिशन के नियम को मंजूरी दी है। छात्रों का तनाव कम

करने के लिए छात्रों को ज्यादा से ज्यादा विकल्प दिए जाने को प्राथमिकता दी जा रही है। एमएम पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा की प्रिंसिपल रूमा पाठक ने बताया कि इस मीटिंग में शिक्षा नीति और एनसीएफ से जुड़े तमाम सवालों के जवाब दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा सचिव ने स्कूलों से अपील की है कि छात्रों के लिए अढअअफक्कको जरूर बनवाया जाए, ताकि भविष्य में इसका फायदा उन्हें मिल सके। इसके साथ ही सरकारी और प्राइवेट स्कूल एक-दूसरे से बेस्ट प्रैक्टिस सीख सकते हैं। स्कूलों को एनसीईआरटी की किताबों पर फोकस करना चाहिए। प्रिंसिपल का कहना है कि एक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा का फैसला छात्रों के लिए काफी फायदेमंद होगा और दोनों परीक्षाओं में से बेस्ट स्कोर चुन सकेंगे। एनबीटी लेंसः असली चुनौती विंडो सेलेक्ट करने की होगी शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई एक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा को लेकर काम कर रहे हैं। वहीं, उनके सामने असली चुनौती यह है कि दोनों परीक्षाओं के लिए क्या विंडो होगी? अभी बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से शुरू होकर मार्च के आखिर या अप्रैल के शुरूआती दिनों तक चलती है और उसके बाद मई-जून में रिजल्ट आ जाता है। इंजिनियरिंग की परीक्षा भी दो बार होती है, अभी मेडिकल प्रवेश परीक्षा एक बार होती है।

ऐसे में पहली और दूसरी बोर्ड परीक्षा कब-कब हो सकती है, इसकी टाइमिंग बहुत अहम होगी। सूत्रों के मुताबिक सेमेस्टर सिस्टम की तो संभावना नहीं है। छात्रों के लिए

दोनों बोर्ड परीक्षा देना कंपसलरी नहीं होगा। यह उन पर निर्भर होगा कि वह एक परीक्षा दें या दोनों में शामिल हों। परीक्षा सुधारों में बोर्ड एग्जाम के पैटर्न में मल्पटीपल क्वेश्चन की संख्या कितनी हो, परीक्षा प्रक्रिया का सरलीकरण भी शामिल है।

समाधान शिविर की शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाएं अधिकारी : डीसी धीरेंद्र खडगटा

शिकायतों के समाधान में देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ होगा एक्शन

अनिल मोहनियां नूंह

उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि समाधान शिविर की शिकायतों का त्वरित व प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए और विभाग तय समय में एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायत के समाधान में देरी किसी भी स्तर पर सहन नहीं होगी व लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने विभागाध्यक्षों से उनकी शिकायतों के स्टेटस के संदर्भ में विस्तृत रिपोर्ट तलब की। सभी अधिकारियों से उनकी लंबित शिकायतों के बारे में जानकारी व उनके समाधान की दिशा में दिशा-निर्देश जारी किए। डीसी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान करने के लिए समाधान शिविरों की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि जिला स्तर पर कोई भी शिकायत पेंडिंग न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि जो शिकायत निवारण करने योग्य हो उसका तुरंत प्रभाव से निवारण करवाएं।

हैप्पी कार्ड योजना का लाभ उठाए पात्र परिवार : डीसी

लाभार्थी को परिवार पहचान पत्र के माध्यम से हैप्पी कार्ड के लिए करना होगा ऑनलाइन आवेदन : धीरेंद्र खडगटा

अनिल मोहनियां नूंह

उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने जिला के पात्र परिवारों से राज्य सरकार की हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी कार्ड) का लाभ उठाने का आह्वान किया है। इस योजना के माध्यम से अंत्योदय परिवारों को हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। लाभार्थियों को हरियाणा रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा करने के लिए ई-टिकटिंग प्रणाली से जुड़ा एक स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा रोडवेज की बसों में अंत्योदय परिवारों को इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 1000 किलोमीटर तक की निःशुल्क यात्रा का लाभ प्रदान करने का प्रावधान है। इस योजना के तहत 1 लाख रुपए तक वर्षिक आय वाले परिवारों को हैप्पी कार्ड प्रदान किया जाता है। जिसकी मदद से पात्र लाभार्थी एक स्थान से दूसरे स्थान जा सकेंगे। एक हैप्पी कार्ड के लिए लाभार्थी को 50 रुपए का शुल्क देना होगा और बाकी कार्ड की लागत 109 रुपए और कार्ड वार्षिक रख रखाव 79 रुपए का शुल्क भी सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा इस योजना के कार्यान्वयन पर लगभग 600 करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं। लाभार्थी को परिवार पहचान पत्र के माध्यम से हैप्पी कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

हरियाणा रोडवेज डिपो नूंह की महाप्रबंधक एकता चोपड़ा ने बताया कि मुख्यालय द्वारा 11016 हैप्पी कार्ड प्राप्त हुए हैं जिनमें से 21 जून तक 2975 हैप्पी कार्ड पात्र परिवारों को वितरित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि परिवहन डिपों को एनसीएमसी कार्ड बनवाने के लिए कल 39 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 26 कार्ड बनाए जा चुके हैं और शेष कार्ड बनाने के लिए आवेदक को से सूचना मांगी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में छात्राओं को पढड़े के लिए उनके निवास स्थान से 150 किलोमीटर तक मुक्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है छात्रों के लिए 60 किलोमीटर तक 50 प्रतिशत शुल्क में छूट जा रही है। इसके अलावा कैंसर पीड़ित वह 100 प्रतिशत विकलांग यात्रियों को भी हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जा रही है।

समाधान शिविर हो रहा है आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान : एडीसी

वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में 25 शिकायतों पर हुई सुनवाई

अनिल मोहनियां नूंह

अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह ने बताया कि समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन कार्य कर रहा है। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का समाधान करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान करने में पूरा प्रशासन तालमेल के साथ काम कर रहा है। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में 25 शिकायतें प्राप्त हुई है। जिनके समाधान के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। प्रदेश सरकार के निदेर्शों पर जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का प्रत्येक कार्यदिवस आयोजन करवाया जा रहा है। नागरिक अपनी शिकायतों को लेकर समाधान शिविरों में निरंतर बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। द्वआमजन की शिकायतों पर सुनवाई की जाती है और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। ऐसी शिकायतों का तुरंत मौके पर ही समाधान किया जाता है जिनका निदान मौके पर ही संभव है। जबकि अन्य शिकायतें जिनका मौके पर ही समाधान संभव नहीं है उनकी समस्याओं का निर्धारित समय में समाधान करने के जिला उपायुक्त द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं। एडीसी ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ नागरिकों की शिकायतों के निदान की दिशा में कार्य कर रहा है। विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविर में मौजूद रहते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा प्रशासन आपसी सामंजस्य के साथ शिकायतों का समाधान कर रहा है। शिविर को लेकर नागरिकों में काफी उत्साह है लगातार नागरिक अपनी शिकायतें लेकर शिविर में पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर एसडीएम विशाल, डीएसपी अजायब सिंह, डीएफएसओ राजेश्वर मुद्गील सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले में 23 ग्राम पंचायतों का टीबी मुक्त किया चुनाव : सीईओ

टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को सम्मान पत्र व महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा देकर किया सम्मानित : अमित कुमार

अनिल मोहनियां नूंह

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग, नूँह की तरफ से वीरवार को डीआरडीए हॉल नूंह में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मुक्त ग्राम पंचायतो को सम्मानित किया गया। जिले की 23 ग्राम पंचायतो को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर सीईओ जिला परिषद अमित कुमार के द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंचों सम्मान पत्र और महात्मा गांधी जी की कांस्य प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। सीईओ अमित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने के संकल्प को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत नूंह जिले में 23 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों का चुनाव किया गया है, इन ग्राम पंचायतों में टीबी का एक भी मरीज न होने पर इन्हे टीबी मुक्त घोषित किया गया है। ग्राम पंचायतों की टीबी मुक्त की घोषणा से पूर्व कई मानकों की जांच की गई। इस क्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रति हजार आबादी पर 30 संभावित मरीजों की जांच, प्रति हजार की आबादी पर एक टीबी मरीज का पंजीकरण होने पर, कम से कम 80 प्रतिशत से अधिक ठीक हुए टीबी मरीजों की ड्रग सेंसिटिव (डी.एस.) की जांच 100 प्रतिशत निक्षय पोषण योजना से लाभान्वित तथा 100 प्रतिशत निक्षय मित्र योजना से जोडकर टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इस अवसर पर उप सिविल सर्जन नूंह डा. विशाल सिंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान चलाकर लोगों को प्रोत्साहित कर रहे है। उन्होंने सम्मानित होने वाली ग्राम पंचायतो से आह्वान किया कि वे इस टीबी मुक्त गांव का दर्ज बरकरार रखें और वर्ष 2025 तक देश से टीबी को खत्म करने में शत-प्रतिशत योगदान दें।

जिला क्षय रोग अधिकारी डा.प्रवीण राज तंवर ने बताया कि टीबी मुक्त पंचायत एक नई पहल है जिसका उद्देश्य पंचायती राज संस्थानों को टीबी से जुड़ी समस्याओं की महत्ता और व्यापकता का एहसास करने, इन समस्याओं को दूर करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने, टीबी को खत्म करने के लिए पंचायतों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा करने और सार्वजनिक रूप से उनके योगदान की सराहना करने के लिए सशक्त बनाना है।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष परिसा शर्मा ने किया बाल कल्याण परिषद नूंह का निरीक्षण

बाल कल्याण अधिकारी को जिले में गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश

अनिल मोहनियां नूंह

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष परिसा शर्मा ने वीरवार को जिला बाल कल्याण परिषद नूंह का औचक निरीक्षण किया। सभी कार्यकलापों के निरीक्षण के बाद स्टाफ से मीटिंग की और अपने अपने कार्यों को पूरी दक्षता और निष्ठा से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला पिछड़ा होने के कारण इसमे अधिक से अधिक गतिविधियों को चलाया जाना बहुत जरूरी हैं। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद पूरे हरियाणा में बच्चों के सवार्गीण विकास के लिए अनेक गतिविधियों को राज्यपाल एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष

बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला बाल कल्याण परिषद धीरेंद्र खडगटा ने बताया कि नूंह बाल भवन, मिनी बाल भवन पिनगवां व मिनी बाल भवन फिरोजपुर झिरका में नीति आयोग से प्राप्त अनुदान से विश्वकर्मा कौशल विकास विश्विद्यालय पलवल से सफल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं को सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। जिला बाल कल्याण अधिकारी सुंदर लाल खत्री ने जिला में चल रही गतिविधियों जैसे ब्यूटी पार्लर कोर्स, सिलाई कढ़ाई कोर्स, बाल पुस्कालय , डे केयर सेंटर, तथा रुचिकर कक्षाओं में नृत्य, योगा, आर्ट एंड क्राफ्ट, ब्यूटी पार्लर कोर्स, सिलाई कढ़ाई कोर्स, बाल पुस्कालय व मिनी बाल भवन पिनगवां व फिरोजपुर झिरका में भी इस बार रुचिकर कक्षाओं में योगा, आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य, डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइब्रेरी तथा प्रीपेट्री कक्षाएं के बारे में जानकारी दी।

जीवन ज्योति की छात्रा ने कुश्ती प्रतियोगिता में जिला कुमारी का खिताब जीतकर किया नाम रोशन

ज्योति खंडेलवाल /पलवल: शहर में स्थित जीवन ज्योति स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा मनीषा डबास ने कुश्ती प्रतियोगिता में जिला कुमारी का खिताब जीतकर अपने माता पिता, स्कूल और इलाके का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन द्वारा उनका सम्मान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की बधाई दी। स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर बीरेंद्र गेहलोत ने मनीषा डबास की उपलब्धि के बारे में बताते हुए हुए कहा की 25 जून को पलवल के नेताजी सुभास चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता में स्कूल की छात्रा सिहौल निवासी पहलवान मनीषा डबास ने अपनी प्रतिद्विंदी को पराजित कर जिला कुमारी का खिताब हासिल किया है उनकी इस उपलब्धि पर ग्रामीणों की तरफ से भी सम्मान समारोह आयोजित किया जिसमें छात्रा मनीषा डबास का फूल मालाओं से जोरदार सम्मान किया गया है। गहलौत ने बताया की मनीषा डबास न केवल खेलों में बल्कि पढाई में भी होनहार छात्रा है वह अपनी पढाई में भी हमेशा अग्रिम पंक्ति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती हैं

उन्हें यकीं ही नहीं पूर्ण विश्वास है की मनीषा भविष्य में प्रदेश और देश स्तर पर अपने जिले का नाम रोशन करेगी। बीरेंद्र गहलौत ने कहा मनीषा एक होनहार छात्रा है जिसके चलते उन्हें स्कूल द्वारा प्रत्येक महीने नकद पुरुस्कार देकर उनका हौसला अफजाई की जाती है जो आगे भी जारी रहेगी। मनीषा के पिता योगेश डबास ने मनीषा की इस उपलब्धि के बारे में बताते हुए कहा की जिला प्रशाशन एवं खेल विभाग पलवल द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में मनीषा ने फर्स्ट राउंड में 0-13 के अंत से गांव कोंडल निवासी काजल पहलवान को पराजित किया और महिला कुमारी के फाइनल मुकाबले में ओरंगाबाद निवासी अंकिता को 0-7 के अंत से पराजित करते हुए मनीषा ने जिला कुमारी का खिताब हासिल किया।

उन्होंने कहा की वह खुद एक प्राइवेट कम्पनी में जॉब करते हैं जबकि उनकी माँ एक गृहणी है। मनीषा के पिता योगेश डबास ने बताया की उन्हें जीवन ज्योति स्कूल की तरफ से हर संभव मदद मिलती रही है यही वजह है की आज उनके लिए यह खुशी का दिन आया है इसके लिए जीवन ज्योति स्कूल प्रबंधन और स्टाफ बधाई के पात्र हैं।

वहीं ग्राम पंचायत सिहौल की सरपंच वंदना गहलोत ने बताया की मनीषा डबास का ग्राम पंचायत सिहौल की तरफ से भी जल्द ही सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा जिसमें मनीषा और उनके माता पिता को सम्मानित किया जायेगा। मनीषा डबास को इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी अनिल सैनी, इंचार्ज चरण सिंह तेवतिया व कोच सुदेश कुमारी ने भी सम्मानित किया।

सीवर जाम की समस्या से नाराज भीकम कालोनी वासियों ने लगाया जाम

सीवरेज जाम की समस्या का जल्द समाधान न होने पर होगा धरना प्रदर्शन: शारदा राठौर

फरीदाबाद। भीकम कॉलोनी में सीवरेज जाम की समस्या से परेशान कॉलोनी वासियो ने बृहस्पतिवार को तिगांव रोड पर जाम लगा दिया। इस दौरान पूर्व विधायक शारदा राठौर मौके पर पहुंची और कॉलोनी वासियों की समस्या सुनी। इस पर उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कालोनी वासियों की समस्या का समाधान जल्द नहीं हुआ तो वे नगर निगम मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे।

भीकम कॉलोनी में पिछले काफी समय से सीवरेज जाम की समस्या चली जा रही है। इस समस्या को लेकर कॉलोनी के लोग कई बार नगर निगम अधिकारी मंत्री से शिकायत कर समस्या का समाधान करने की मांग कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इससे परेशान कॉलोनी वासियों ने तिगांव रोड पर जाम लगा दिया।

इस मौके पर पूर्व विधायक शारदा राठौर कार्यकताओं के साथ मौके पर पहुंची। इस दौरान उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से फोन पर संपर्क कर उन्हें बुलाया और मौके पर लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए कहा। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने उन्हें जल्द समस्या के समाधान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद पूर्व विधायक ने कहां की अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं होता है तो वह कॉलोनी वासियों के साथ मिलकर निगम के मुख्यालय का घेराव कर प्रदर्शन करें। इसके बाद लोगों को समझाया और जाम खुलवाया।

दुष्कर्म के मामले का फरार युवक वृन्दावन से काबू

फरीदाबाद। 17 वर्षीय नाबालिग लडकी के साथ दुष्कर्म कर फरार हुए युवक को सिकरौना पुलिस चौकी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान रुपेश निवासी भाटिया कॉलोनी बल्लभगढ़ के रूप में हुई है। उसके खिलाफ वर्ष 2023 में दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने सेक्टर-2, झडसेंतली, सरिता विहार, नोएडा, गाजियाबाद, वृन्दावन इत्यादि स्थान पर रेड की। काफी तलाशी के बाद रुपेश को वृन्दावन से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए सीसीटीवी कैमरे व तकनीकी माध्यम का सहयोग लिया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पीड़िता के घर के पास एक होटल में नौकरी करता था। इस दौरान आरोपी की पहचान नाबालिग लडकी के साथ हुई।

चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी को थाना तिगांव पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना तिगांव पुलिस टीम ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सन्नी निवासी बाल्मीकि बस्ती तिगांव का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से तिगांव बस स्टैण्ड के पास से चोरी के सामान इत्यादि सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी के सामान को बेचने की नियत से लेकर जा रहा था। आरोपी ने सामान को तिगांव की मार्किट कमेटी के कार्यालय से 24 जून की रात को चोरी किया था। आरोपी नशा करने का आदि है। आरोपी ने नशे की पूर्ति के लिए चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के विजेता व प्रतिभागी खिलाड़ी नगद पुरस्कार व छात्रवृत्ति के लिए करें आवेदन

जिला खेल अधिकारी, 30 जुलाई है आवेदन के लिए अंतिम तिथि,बाद में आवेदन नहीं किए जाएंगे स्वीकार: सुदेश कुमारी

ज्योति खंडेलवाल /पलवल: खेल विभाग हरियाणा द्वारा एक जनवरी 2023 से 31 मार्च 2024 के दौरान की खेल उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता/प्रतिभागी खिलाडिड्रों को नकद पुरस्कार तथा छात्रवृति प्रदान करने के लिए

पूर्व वर्षों की तरह आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी एंव कुश्ती प्रशिक्षिका सुदेश कुमारी ने बताया कि पात्र खिलाड़ी जिला खेल अधिकारी कार्यालय पलवल में 30 जुलाई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद कोई आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र का नमूना विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हरियाणा के डइउ समाज के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह ने खोला घोषणाओं का पिटारा

जयराम प्रजापति पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

ज्योति खंडेलवाल /पलवल:- हरियाणा प्रदेशहरियाणा में डइउ वर्ग के कल्याण और युवाओं को सरकारी नौकरियों में बड़ा लाभ देने के लिए कुछ प्रमुख घोषणाएं की हैं।हरियाणा में आज के दिन नौकरियों में पिछड़े वर्गों के आरक्षण के अंदर,क्रीमिलेयर की वार्षिक आय सीमा सभी स्त्रोतों से 6 लाख रुपये है।हरियाणा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से विचार उपरांत अब प्रदेश सरकार की नौकरियों में यह क्रिमिलेयर बढ़ाकर 8 लाख रुपये वार्षिक की जाएगी।भारत सरकार की तर्ज पर इस आय में वेतन और कृषि से आय को शामिल नहीं किया जाएगा,जिससे लाखों लोगों को लाभ होगा। ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के पदों में पिछड़े वर्गों का आरक्षण 15 प्रतिशत है।अब इसे केंद्र सरकार की तर्ज पर 15 प्रतिशत से बढाकर सभी पिछड़े

वर्गों के लिए 27 प्रतिशत किया जाएगा। इसके अलावा,नौकरियों में पिछड़ा वर्ग-ए और बी के बैगलॉग को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाएगा।

इसके लिए विशेष भर्ती अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं ओबीसी समाज से आते हैं जिसमें ओबीसी समाज के हितों का ख्याल रखते हुए अहम फैसले लिए हैं! हरियाणा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री करण देव कंबोजी जी का भी इन योजनाओं को लागू करवाने में अहम योगदान रहा है!

आज पूरे हरियाणा प्रदेश में ओबीसी समाज के लोगों में खुशी का माहौल है पलवल जिले के सैकड़ो लोगों ने ओबीसी नेता होने के नाते मुझे भी बहुत सारी बधाइयां दी हैं! मैं पूरे पलवल जिले ओबीसी समाज की तरफ से माननीय मुख्यमंत्री से नायब सिंह सैनी, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष करण देव कंबोज जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं

समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा समाधान -शिकायतों के समाधान को लेकर जिला प्रशासन गंभीर

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रह्मद्दजीत सिंह रांगी

ज्योति खंडेलवाल /पलवल: प्रदेश सरकार की ओर से आमजन की समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से प्रत्येक कार्य दिवस पर लगाए जा रहे समाधान शिविरों के प्रयास सफल होते नजर आ रहे हैं। वीरवार को जिला सचिवालय के सभागार में लगाए समाधान शिविर में जिला के अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रह्मद्दजीत सिंह रांगी व एसडीएम नरेंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने आमजन की शिकायतें सुनते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाया। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रह्मद्दजीत सिंह रांगी ने बताया कि वीरवार को लगाए समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 55 शिकायतें आई, जिनमें से 41 का मौके पर ही समाधान करवा दिया गया। इनमें ज्यादातर शिकायतें पेंशन और फैमिली आईडी से संबंधित आई थी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों की शिकायतों के प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के

निदेर्शों पर जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का प्रत्येक कार्यदिवस में आयोजन करवाया जा रहा है। नागरिक अपनी शिकायतों को लेकर समाधान शिविरों में निरंतर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ नागरिकों की शिकायतों के समाधान की दिशा में कार्य कर रहा है। विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविर में मौजूद रहते हैं, जोकि त्वरित कार्यवाही करते हुए नागरिकों की परेशानियों को दूर करते हैं।

हूतियों का दावा- इजरायल में अडानी के पोर्ट पर किया ड्रोन अटैक

तेल अवीव। इजरायल में मौजूद भारतीय कंपनी के बंदरगाह पर यमन के हूती विद्रोहियों ने हमले का दावा किया है। दावा है कि उन्होंने इजरायल के हाइफा बंदरगाह पर ड्रोन के जरिए हमला किया है। इराक के इस्लामिक प्रतिरोध के साथ एक संयुक्त सैन्य अभियान चलाया। इसमें कई ड्रोन ने हाइफा बंदरगाह के करीब एक इजरायली जहाज को निशाना बनाया। इजरायल का हाइफा बंदरगाह भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस बंदरगाह का संचालन भारतीय अरबपति गौतम अडानी की कंपनी एक स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर करती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह इजरायल के सबसे प्रमुख बंदरगाहों में से एक है, जहां से लगभग 99 फीसदी सामान समुद्र के रास्ते आता-जाता है। पिछले साल जनवरी में 4 अरब शेकेल (1.03 अरब डॉलर) में इसे खरीदा गया था। ईरान के समर्थन वाले हूती लड़ाकों के प्रवक्ता याह्या सारी ने बुधवार को टीवी पर एक बयान में हमले के बारे में बताया। इजरायल ने हालांकि हूतियों के हमले से इनकार किया है। इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि आर्मी को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी नहीं है। हाइफा बंदरगाह पर किसी असामान्य चीज का कोई संकेत नहीं है। इजरायल की ओर से गाजा पर हमले के विरोध में हूतियों ने पिछले साल नवंबर से ही हमला शुरू कर दिया है। उसका कहना है कि यह हमले गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए है। नवंबर में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में शिपिंग लेन पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया था। दर्जनों हमलों में उन्होंने दो जहाज डुबो दिए, एक जहाज हाईजैक कर लिया हीं दूसरी ओर अदन की खाड़ी में एक जहाज और इजराइल के दक्षिण में स्थित बंदरगाह शहर ईलात पर बुधवार को तड़के हमले किए गए। अदन की खाड़ी में एक जहाज और इजराइल के दक्षिण में स्थित बंदरगाह शहर ईलात पर बुधवार को तड़के हमले किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संभवत- ये हमले हूती विद्रोहियों ने किए हैं।

24 घंटे में 35 सैन्य विमान और 7 नौसैनिक जहाज.....ताइवान पर क्या चाहता है चीन

बीजिंग । चीन और ताइवान में फिर तनाव बढ़ता हुआ दिख रहा है। चीनी सेना बार-बार ताइवान की सीमा में घुस रही है। दरअसल, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि 24 घंटे की अवधि के दौरान द्वीप के आसपास 35 चीनी सैन्य विमानों और सात नौसैनिक जहाजों का पता लगाया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 24 घंटे की अवधि के दौरान 35 चीनी सैन्य विमानों और सात नौसैनिक जहाजों का पता लगा। ताइवान के मुताबिक चीन के 19 एयरक्रॉफ्ट उसके डिफेंस आईडेंटिफिकेशन जोन यानी डीआईजेड तक पहुंच गए थे। ताइवान ने इस माह अब तक चीनी सैन्य विमानों को 324 बार ट्रैक किया है। साथ ही नौसेना जहाजों को 190 बार ट्रैक किया है। इसके बाद ताइवान ने चीनी सेना पर नजर रखने के लिए विमान और नौसैनिक जहाज तैनात किए है। ताइवान ने मिसाइल सिस्टम को भी सक्रिय कर दिया। ताइवान चीनी सेना की हर हरकत पर नजर रखे हुए है। हाल के वर्षों में चीन ने ताइवान पर दबाव बढ़ा दिया है और पिछले महीने ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के उद्घाटन के बाद द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास किया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन अभ्यासों के दौरान, बीजिंग ने इस साल एक दिन में सबसे अधिक 62 सैन्य विमान ताइपे के आसपास भेजे।

पाकिस्तान में लू और गर्मी ने ली लोगों की जान, भरे पड़े हैं मुर्दाघर

कराची। भारत के साथ पाकिस्तान भी भीषण गर्मी की चपेट में है। पाकिस्तान में भी भीषण गर्मी के कारण कई लोगों मौत हो चुकी है। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में भीषण गर्मी के कारण पिछले चार दिनों में कम से कम 450 लोगों की मौत हुई है। हालात यह है शवों को रखने के लिए जगह नहीं है। मुर्दाघर भरे पड़े हैं। पाकिस्तान के एनजीओ का दावा है। पाकिस्तान सरकार ने अभी इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा पेश नहीं किया है। बताया जा रहा है कि मरने वालों में से 141 लोगों ने 25 जून को जान गंवाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी सेवाओं के कर्मचारियों को कराची की सड़कों पर अब तक 30 लोगों के शव मिले हैं। उसका कहना है कि उसे बुधवार को छोड़कर पिछले चार दिनों में कम से कम 427 शव मिले हैं। ज्यादातर शव बेघर लोगों और सड़कों पर नशा करने वालों के हैं। तेज गर्मी की लहर ने उनकी जान ले ली। ये लोग अपना पूरा दिन इलाज की तलाश में खुले में बिताते हैं। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची भयंकर गर्मी की चपेट में है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। तटीय इलाकों के हिसाब से यह बेहद खतरनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन दिन में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, हवा में ज्यादा नमी की वजह से उमस है। इसकी वजह से 40 डिग्री तापमान भी 49 डिग्री जैसा महसूस हो रहा है। पिछले चार दिन में कराची के सिविल अस्पताल में हीटस्ट्रोक की वजह से 267 लोग भर्ती किए गए हैं।

दमिश्क में देर रात सुनाई दीं विस्फोट की आवाजें

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाकों में बुधवार देर रात विस्फोट की आवाजें सुनी गईं। ये इजरायल की ओर से किए गए मिसाइल हमले लग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों और शाम एफएम रेडियो के मुताबिक हमले दमिश्क के दक्षिणी ग्रामीण इलाके में सैय्यदा ज़ैनब उपनगर के पास एक इलाके में हुए। इस बीच सीरियाई वायु रक्षा मिसाइलों के साथ-साथ दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में विस्फोटों की आवाज़ सुनी गई।

बोलीविया का तख्ता पलटने का असफल प्रयास, जनरल गिरफ्तार

ला पाज़। बोलीविया में राष्ट्रपति लुइस आर्से के खिलाफ तख्ता पलटने की असफल साजिश के कुछ घंटों बाद जनरल जुआन जोस जुनिगा को गिरफ्तार कर लिया गय। यह गिरफ्तारी ला पाज़ शहर में उप आंतरिक मंत्री जॉनी एगुइलेरा के नेतृत्व में एक अभियान चलाकर की गई। मीडिया रिपोर्ट में एफजीई के संचार प्रमुख जोस लुइस टारक्विनो के हवासे से बताया कि तख्ता पलटने के असफल कोशिश में शामिल जुनिगा और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि ला पाज़ शहर में हुई नई घटनाओं को देखते हुए अटॉर्नी जनरल ने जनरल जुआन जोस जुनिगा और घटनाओं में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच के अनुरूप सभी कानूनी कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है।

डॉक्टर ने की अपने ही परिवार की हत्या की कोशिश, कोर्ट ने नहीं भेजा जेल

वाशिंगटन। अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत की एक कोर्ट ने भारतीय मूल के डॉक्टर को अपने ही परिवार की हत्या करने के प्रयास में जेल नहीं भेजा है और डॉक्टर की मानसिक बीमारी का इलाज कराने का आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 43 वर्षीय डॉ धर्मेश पटेल ने दो जनवरी-2023 को अपनी कार को एक चट्टान से 250 फीट नीचे गिरा दिया था। हालांकि हादसे में वह खुद और कार में सवार उनकी पत्नी और दो बच्चे बच गये थे। पिछले साल सितम्बर में सुनवाई के दौरान उन्होंने हत्या के प्रयास के तीन मामलों में दोषी नहीं होने की दलील दी। अदालत ने आरोपी के स्किज़ोफेक्टिव डिसऑर्डर और अन्य प्रमुख अवसादग्रस्तता लक्षणों से पीड़ित होने संबंधी डॉक्टरों की रिपोर्टों का भी अध्ययन किया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कैलिफोर्निया प्रांत की एक कोर्ट में दायर रिकॉर्ड में डॉ पटेल को मानसिक बीमारी से ग्रस्त पाया गया, जिसके तहत अपराध के लिए आरोपित व्यक्ति का इलाज कराने की इजाजत दी जाती है। प्रावधान के तहत अभियुक्त के मानसिक बीमारी के इलाज के दौरान अभियोजन स्थगित कर दिया जाता है, और उसे पूरी तरह से खारिज किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉ धर्मेश पटेल कुछ और सप्ताह जेल में रहेंगे और फिर उसे कैलिफोर्निया के बेलमोंट में उनके माता-पिता के घर छोड़ दिया जाएगा, जहां उन पर निगरानी रखी जायेगी। इस दौरान डॉ धर्मेश पटेल को शहर छोड़ने की इजाजत नहीं है और अपना ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जमा करने के साथ ही सप्ताह में एक बार कोर्ट में पेश होना होगा।

लोकसभा स्पीकर आपातकाल का जिक्र टाल सकते थे यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक है

- राहुल गांधी व गठबंधन के नेताओं ने की ओम बिरला से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और उनके द्वारा आपातकाल का उल्लेख किये जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। राहुल गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक है और इसे टाला जा सकता था। कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संसद में बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। राहुल गांधी ने सदन में स्पीकर द्वारा आपातकाल लागू किये जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता घोषित किया और इसके बाद उन्होंने अन्य गठबंधन सहयोगी नेताओं के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की।

क्या राहुल गांधी ने सदन में उठाए जा रहे आपातकाल के मुद्दे पर चर्चा के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि हमने संसद के कामकाज के बारे में चर्चा की है। बेशक, यह मुद्दा भी उठा। कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी ने इस मुद्दे के बारे में अध्यक्ष बिरला को जानकारी दी और कहा कि इसे अध्यक्ष के संदर्भ से टाला जा सकता था। यह स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक संदर्भ है। लोकसभा स्पीकर बनने के तुरंत बाद बिरला ने बुधवार को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला बताते हुए आपातकाल लगाने की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़कर खलबली मचा दी थी, जिसके बाद सदन में कांग्रेस सदस्यों ने इसका कड़ा विरोध किया था।

स्पीकर बिरला ने कहा कि 26 जून 1975 को देश को आपातकाल की क्रूर वास्तविकताओं का एहसास हुआ, जब कांग्रेस सरकार ने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था, मीडिया पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता का पदभार संभालने के बाद यह राहुल गांधी की लोकसभा अध्यक्ष से पहली मुलाकात थी। उनके साथ सपा के धर्मेंद्र यादव, द्रमुक की कनिमोझी, शिवसेना (सपा) की सुप्रिया सुले और टीएमसी के कल्याण बनर्जी के अलावा कुछ अन्य नेता भी मौजूद थे।

आने वाला समय हरित युग, सरकार इसके लिए हर जरूरी कदम उठा रही : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। आने वाले समय को हरित युग बताते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को संसद में अपने अभिभाषण में कहा कि इसके लिए उनकी सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''आने वाला समय हरित युग का है। मेरी सरकार इसके लिए हर ज़रूरी कदम उठा रही है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, ''हरित ऊर्जा हो या फिर हरित मोबिलिटी, हम हर मोर्चे पर बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने शहरों को रहने के लिहाज से बेहतरीन स्थान बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है और प्रदूषण से मुक्त, साफ-सुथरे और सुविधायुक्त शहरों में रहना देश के नागरिकों का हक है।'' मुर्मू ने कहा कि पिछले 10 साल में, विशेष रूप से छोटे शहरों और कस्बों में अभूतपूर्व निवेश किया गया है।

भाजपा की हरियाणा सरकार ने गरीबों व सैनिकों को ठगा : सैलजा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि बड़े-बड़े दावे और वायदे कर वाहवाही लूटने वाली भाजपा सरकार ने गरीबों व सैनिकों के साथ बड़ी ठगी की है। इनके सिर पर छत देने का वायदा करने वाले रुपये लेने के बावजूद उन्हें आज तक फ्लैट नहीं दे सके हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड ने साल 2014 में डिफेंस, आर्थिक रूप से कमजोर व गरीबों के लिए फ्लैट स्कीम लांच की थी। इसमें डिफेंस की 11 स्कीम और बीपीएल व ईडब्ल्यूएस की 07 स्कीम शामिल थी। अपने घर की आस में लोगों ने इन स्कीमों में बढ़चढक़र हिस्सा भी लिया, लेकिन आज तक किसी को भी फ्लैट नहीं मिल पाया। कुमारी सैलजा ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड ने लोगों से 200 करोड़ से अधिक रुपये एकत्रित कर इनका प्रयोग फ्लैट बनाने की बजाए किन्हीं अन्य कार्यों में किया। लोगों ने रुपये मांगने शुरू किए तब हरियाणा सरकार ने हाउसिंग बोर्ड की खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देना शुरू कर दिया। आज तक लोगों के जमा रुपये ब्याज सहित लौटाने पर कोई कदम नहीं उठाया गया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि ईडब्ल्यूएस परिवारों के लिए हिसार व करनाल में तथा बीपीएल परिवारों के लिए धारूहेड़ा, सोनीपत, पानीपत व फरीदाबाद में फ्लैट बनाए जाने थे। लेकिन, इन सभी 07 स्कीमों को रद्द किया गया। इसके विपरीत मोदी सरकार का दावा था कि 2022 तक देश के हर व्यक्ति को घर मुहैया जाएगा, लेकिन हरियाणा में रुपये लेने के बावजूद गरीबों को छत नसीब नहीं हो पाई है।

लोकसभा सांसद ने कहा कि डिफेंस के जेसीओ रैंक तक के सैनिकों व अर्धसैनिक बल के जवानों के लिए झज्जर, गुडग़ांव, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, पिंजौर, रेवाड़ी, रोहतक, पलवल, सांपला आदि जगहों पर फ्लैट बनाए जाने थे। लेकिन, इनमें से कहीं पर भी कोई ईंट तक नहीं लगी। झज्जर सेक्टर-6 और फरीदाबाद सेक्टर-56 में जरूर कुछ फ्लैट बने हैं, लेकिन ये अभी इस स्थिति में नहीं हैं कि इन्हें अलॉट किया जा सके।

तमिलनाडु विधानसभा में अवैध शराब को लेकर एआईएडीएमके का हंगामा

- स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी समेत विधायकों को किया निलंबित

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ईके पलानीस्वामी समेत एआईएडीएमके के विधायकों को सदन की कार्यवाही में रुकावट डालने की वजह से मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया है। निलंबित हुए विपक्षी दल के सदस्य काली टी-शर्ट पहनकर आज सदन पहुंचे और उन्होंने कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी मामले को फिर से उठाने का प्रयास किया और इस मुद्दे पर बातचीत के लिए कार्य स्थगन की मांग की, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि वह इस मामले पर फैसला लेंगे।

अन्नाद्रमुक के विधायक ज्वलंत मुद्दे पर जल्द से जल्द बातचीत कराने को लेकर संदन में खड़े होकर प्रदर्शन करने लगे। अध्यक्ष ने हंगामा कर रहे सदस्यों को अपनी सीट पर बैठने का कई बार अनुरोध किया। इसके बाद भी सदस्य हंगामा करते रहे। इसके बाद अध्यक्ष ने उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अन्नाद्रमुक के सदस्यों के मौजूदा सत्र के अंतिम दिन 29 जून तक शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया। निलंबन के फैसले के बाद अध्यक्ष ने अन्नाद्रमुक के सदस्यों पर सदन में समस्या खड़ी करने और बहस में भाग लेने के इच्छुक नहीं होने का आरोप लगाया। अप्पावु ने कहा कि अन्नाद्रमुक के व्हिप ने यह मुद्दा उठने के लिए नोटिस दिया था, लेकिन वह मेरा जवाब सुनने के लिए तैयार नहीं थे। इसके बजाय उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कार्यवाही में बाधा डाली और अपने आचरण से सदन की मर्यादा भंग की है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि हालांकि सदन कल्लाकुरिची शराब त्रासदी पर बातचीत को तैयार है, लेकिन पलानीस्वामी ही इसके लिए तैयार नहीं हैं। स्टालिन ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे वह सदन छोड़कर बाहर जाने और मीडिया से बात करने में ज्यादा रुचि रख रहे हैं। विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि मुख्य विपक्ष को कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का मुद्दा उठाने से रोकने का जानबूझकर प्रयास किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पिछले पांच दिनों से इस मुद्दे को उठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक इजाजत दी जाएगी, लेकिन जब हमने नियमों के मुताबिक काम किया तो उन्होंने इजाजत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि क्या विधानसभा में सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के लिए अलग-अलग नियम हो सकते हैं।

क्या भारत की संसद में 'जय संविधान' नहीं बोला जा सकता? प्रियंका गांधी ने क्यों पूछा ये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या संसद में 'जय संविधान' का नारा लगाने की अनुमति है, साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोगों को असंसदीय नारे लगाने से नहीं रोका गया। उनका बयान तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद आया। थरूर ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर अंग्रेजी में शपथ ली और समापन ÷जय हिंद, जय संविधान÷ के साथ किया।

विपक्षी सदस्यों ने थरूर के 'जय संविधान' के नारे को दोहराया, जिससे अध्यक्ष को उन्हें याद दिलाने के लिए प्रेरित किया गया कि वे पहले से ही संविधान पर अपनी शपथ ले रहे हैं। हरियाणा से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने दलील दी कि स्पीकर को आपत्ति नहीं जतानी चाहिए थी। स्पीकर ने पलटवार करते हुए कहा, 'किस पर आपत्ति करनी है और किस पर नहीं, इस पर सलाह न दें। बैठ जाओ।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि क्या भारत की संसद में 'जय संविधान' नहीं बोला जा सकता? संसद में सत्ता पक्ष के लोगों को असंसदीय और असंवैधानिक नारे लगाने से नहीं रोका गया, लेकिन विपक्षी सांसद के 'जय संविधान' बोलने पर आपत्ति जताई गई।

कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि चुनावों के दौरान सामने आया संविधान विरोध अब नये रूप में सामने है ? जो हमारे संविधान को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने कहा कि जिस संविधान से संसद चलती है, जिस संविधान की हर सदस्य शपथ लेता है, जिस संविधान से हर नागरिक को जान और जीवन की सुरक्षा मिलती है, क्या अब विपक्ष की आवाज दबाने के लिए उसी संविधान का विरोध किया जाएगा? 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार को सभी नवनिर्वाचित सांसदों के शपथ ग्रहण के साथ शुरू हुआ और 3 जुलाई तक चलेगा। दो दिवसीय शपथ ग्रहण समारोह के बाद, 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव हुआ।

महाराष्ट्र में लाडली बहना और लाडला भाई योजना लागू की जाए, उद्धव ठाकरे ने दिया सुझाव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को राज्य में लाडली बहना जैसी योजना लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले का समर्थन किया और पुरुषों के लिए भी इसी तरह की नीति की मांग की। उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि चूंकि सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें से एक मध्य प्रदेश की तरह लाडली बहना योजना है, मैं इसका स्वागत करता हूं और पूछता हूं कि इस योजना को लड़कों के लिए भी बढ़ाया जाए। भेदभाव क्यों? लड़कियों और लड़कों दोनों को इसका लाभ मिलना चाहिए।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन शिवसेना (एकनाथ शिंदे), राकांपा (अजित पवार) और भाजपा शामिल हैं। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए इस योजना को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। पिछले साल मध्य प्रदेश चुनाव में बीजेपी की सत्ता में वापसी के पीछे लाडली बहना योजना को माना जाता है। योजना के तहत महिलाओं को मासिक आधार पर 1,200 रुपये से 1,500 रुपये मिलने की उम्मीद है। उम्मीद है कि एकनाथ शिंदे शुक्रवार (28 जून) को पेश होने वाले राज्य बजट में इस योजना की घोषणा करेंगे। उद्धव ठाकरे ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कृषि ऋण की पूर्ण माफी और इसे लागू करने की भी मांग की।

ठाकरे ने कहा कि कृषि ऋण की पूर्ण माफी तुरंत होनी चाहिए और इसे राज्य चुनाव से पहले लागू किया जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने एनईईटी विफलता और अयोध्या राम मंदिर में पानी रिसाव की रिपोर्टों का संदर्भ देते हुए केंद्र और राज्य सरकार को लीकेज सरकारें भी कहा। उन्होंने कहा कि (महाराष्ट्र विधानसभा का) मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है, लेकिन लोग इस सरकार को 'टाटा, बाय-बाय' कह रहे हैं। इस सरकार द्वारा कल बजट की घोषणा की जाएगी। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे हमें बताएंगे कि उन्होंने महाराष्ट्र पर कितना पैसा खर्च किया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बता दिया, भारत हिंदु राष्ट्र नहीं : अमृत्य सेन

-नोबेल पुरस्कार विजेता ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ लोग हिंदू राष्ट्र,हिंदू राष्ट्र का राग अलाप रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है। यह बात नोबेल पुरस्कार विजेता अमृत्य सेन ने एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार उन्हें सही नहीं लगता है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की पूर्व सरकारों और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली मौजूदा एनडीए सरकार को भी कई मुद्दों पर घेरा। मीडिया से बातचीत में सेन ने कहा, भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है, यह बात चुनाव परिणामों में साफ हो गई है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत को एक हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार सही है। फैजाबाद लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी की हार को लेकर उन्होंने कहा कि देश की असली पहचान को दबाने के पूरे प्रयास किए गए थे।

उन्होंने कहा, भारत को हिंदू राष्ट्र दिखाने के लिए... इतना पैसा खर्च कर राम मंदिर बनाना, जो महात्मा गांधी, रविंद्रनाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के देश में नहीं होना चाहिए था। यह भारत की असली पहचान को नजरअंदाज करने के प्रयास को दिखाता है और इसे तत्काल बदलना चाहिए। 90 वर्षीय सेना का कहना है कि भार में बेरोजगारी बढ़ रही थी और प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को नजरअंदाज किया जा रहा था।सेन ने कहा, हम हर चुनाव के बाद बदलाव देखने की उम्मीद करते हैं। (भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार) के समय में जैसा पहले हुआ कि कई लोगों को बगैर ट्रायल के जेल में डाल दिया और अमीर और गरीब में दूरी बढ़ती गई। ये सब जारी है और इसके रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब मैं छोटा था, तो मेरे कई रिश्तेदारों को बगैर ट्रायल के जेल में डाल दिया गया था।उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद थी कि भारत इससे आजाद होगा। यह सब नहीं रुका, इसके लिए कांग्रेस भी जिम्मेदार है। उन लोगों ने इसे नहीं बदला..., लेकिन यह मौजूदा सरकार में ज्यादा हो रहा है। उन्होंने कहा कि नया कैबिनेट पिछले की कॉपी ही है। सेन के अनुसार, ...मंत्रियों को वही विभाग मिले हैं। थोड़े बदलाव के बावजूद राजनीतिक रूप से ताकतलवर अब भी ताकतवर बने हुए हैं।

साउथ अफ्रीका टीम ने रचा इतिहास, अफगानिस्तान को दी 9 विकेट से मात पहली बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

त्रिनिदाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका ने अपने नाम की मुहर लगा दी है। साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। बता दें कि, ये पहली बार है जब अफ्रीकी टीम टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है, इसके साथ ही टीम ने इतिहास भी रच दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुअ अफगान टीम महज 56 गेंदों पर धराशाही हो गई, जिसके जवाब में अफ्रीकी टीम ने आसानी से इस टारगेट को चेज कर लिया।

साउथ अफ्रीका के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने 29 रन बनाए। वहीं कप्तान एडम मार्क्रम ने 23 रन बनाए। ये दोनों खिलाड़ी अंत तक आउट नहीं हुए और महज 8.5 ओवर्स में ही टारगेट को चेज कर लिया। टीम की शुरुआत बेहद ही खराब रही। जब क्विंटन डिकॉक सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए उन्हें फजलहक फारूकी ने अपना शिकार बनाया। इसके साथ ही अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो बाद में गलत साबित हुआ। टीम के बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और कोई भी खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन नहीं कर सका। अजमतुल्लाह उमरजई ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए थे, उन्होंने 10 रन बनाए। जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज, नूर अहमद और मोहम्मद नबी अपना खाता तक नहीं खोल पाए। इसी कारण से अफगानिस्तान टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और महज 56 रनों पर ही सिमट गई। टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया ये सबसे कम स्कोर है। दूसरी तरफ साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिले तारीफ था। मार्को जेसन ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं तबरेज शम्सी ने भी तीन विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट चटकाए।

सेमीफाइनल में करारी हार से हताश नजर आये अफगानिस्तान के कप्तान राशिद

त्रिनिदाद (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंचकर सबको हैरान करने वाली अफगानिस्तान की टीम जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में बिखरी है उससे सभी हैरान हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को सुपर 8 में हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अफगानिस्तान की टीम दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों की तरह से ढ़ह गयी। उसे दक्षिण अफ्रीका ने एकतरफा सेमीफाइनल में 9 विकेट से हरा दिया। इस हार ने अफगानिस्तान के खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसक भी निराश हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली करारी हार ने अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को हताश कर दिया। सेमीफाइनल समाप्त होते ही अफगानिस्तान के खिलाड़ी मायूस नजर आये। कप्तान राशिद खान समझ ही नहीं पाये कि मैच कब हाथ से निकल गया।

सेमीफाइनल में हारने के बाद भी अफगानी खिलाड़ियों ने मैदान का चक्कर लगाया। उन्होंने टीम का समर्थन करने स्टेडियम पहुंचे प्रशंसकों का आभार भी जताया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया पर उसकी टीम अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी।

वहीं शुरुआती ग्रुप मैचों में अफगानिस्तान की टीम बेहतरीन फॉर्म में चल रही थी। उसने ग्रुप राउंड में न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम को हराया था। फिर सुपर-8 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल की। इसके बाद अपने से कहीं बेहतर रैंकिंग वाली बांग्लादेश को हराया।

शुभमन की कप्तानी में एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी भारतीय टीम

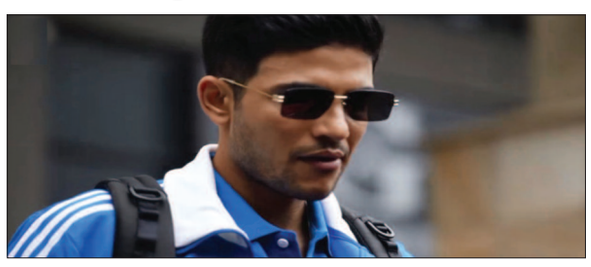

–यशस्वी , सैमसन सहित चार खिलाड़ी बाद में रवाना होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस दौरे में बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया है। इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हाई-परफॉर्मेंस कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं इस दौरे के लिए चयनित यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और खलील अहमद टी20 विश्वकप समाप्त होने के बाद रवाना होंगे।

इस दौर के लिए युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और बल्लेबाज रियान पराग अभी राजस्थान रॉयल्स के उच्च प्रदर्शन केंद्र में तैयारी कर रहे हैं। वे वहां लगभग एक सप्ताह प्रशिक्षण में बिताएंगे और मुंबई में अन्य खिलाड़ियों से मिलेंगे। वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, अंतरिम भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में युवा टीम के साथ यात्रा करेंगे। एनसीए के सहयोगी स्टाफ के भी लक्ष्मण के साथ रहने की उम्मीद है।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है

पहला टी20ई : 6 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

दूसरा टी20ई : 7 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

तीसरा टी20ई : 10 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

चौथा टी20ई : 13 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

5वां टी20ई : 14 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

ये सभी मुकाबले शाम 4¬30 बजे से खेले जाएंगे

अफगानिस्तान बनी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में सबसे कम स्कोर बनाने वाली टीम

त्रिनिदाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम के नाम आईसीसी टी20 विश्वकप में एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह याद नहीं रखना चाहेगी। अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल में के खिलाफ केवल 56 रन बना पायी। ये आईसीसी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले का सबसे छोटा स्कोर श्रीलंका के नाम था। श्रीलंकाई टीम 2010 में टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 11.5 ओवर में 128 रन ही बना पायी थी।

अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे बेहतर कर सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान की टीम से उसके प्रशंसकों को काफी उम्मीदें थीं पर उसने निराश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम की शुरुआत खराब रही। उसके सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। चार रन पर पहला विकेट गंवाने वाली अफगानिस्तान की टीम ने 20 रन पर चौथा, 23 रन पर पांचवां, 28 रन पर छठा विकेट खो दिया। उसकी पूरी टीम 71 गेंद में 56 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयी।

सबसे अधिक 10 रन चौथे अजमतुल्लाह ओमरजई ने बनाये। उन्होंने 12 गेंद में 10 रन बनाए। वहीं सबसे अधिक 13 रन अतिरिक्त रहे। ये रन वाइड आर लेगबाई से आये। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों तबरेज शम्सी और मार्को यानसेन ने 3-3 विकेट लिए। शम्सी ने तो केवल 1.5 ओवर के स्पेल में 6 रन देकर 3 विकेट ले लिए। वहीं यानसेन ने 3 ओवर के स्पेल में 16 रन दिए और 3 विकेट अपने नाम किए। कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्किया को दो-दो विकेट मिले।

इस तरह की पिच पर कोई भी विश्व कप सेमीफाइनल नहीं खेलना चाहेगा: अफगानिस्तान कोच

तारोबा (त्रिनिदाद) (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े मुकाबले के लिए यह उपयुक्त नहीं थी। इस पिच से तेज गेंदबाजों को मूवमेंट मिल रहा था और इसमें अनिश्चित उछाल दी थी। अफगानिस्तान की टीम इस पिच पर केवल 56 रन बनाकर आउट हो गई जो टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूनतम स्कोर है। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर दिया लेकिन उसके बल्लेबाजों को भी संघर्ष करना पड़ा।

ट्रॉट ने मैच के बाद कहा, 'मैं खुद को परेशानी में नहीं डालना चाहता और मैं अंगूर खट्टे हैं जैसा मामला भी नहीं बनना चाहता लेकिन यह उस तरह की पिच नहीं थी जिस पर कोई विश्व कप का सेमीफाइनल खेलना चाहेगा।% इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि

इस पिच ने बल्लेबाजी को पूरी तरह से खेल से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुकाबला बराबरी का होना चाहिए। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि यह सपाट होनी चाहिए जिसमें स्पिन या सीम मूवमेंट न हो। मेरे कहने का मतलब है कि आपको बल्लेबाजों की भी चिंता होनी चाहिए। बल्लेबाजों को अपने पांव के मूवमेंट पर विश्वास होना चाहिए और उन्हें अपने कौशल का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।'

ट्रॉट ने कहा, 'टी20 का खेल आक्रामकता तथा रन बनाने और विकेट लेने से जुड़ा है। यह प्रारूप क्रीज पर टिके रहने के लिए नहीं बना है।' तारोबा में विश्व कप के पांच मैच खेले गए जिनमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम केवल एक बार 100 रन के पार पहुंची। मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 149 रन बनाए और उसका सफलतापूर्वक बचाव भी किया। अफगानिस्तान का अपना पहला विश्व कप सेमीफाइनल खेलने से पहले काफी व्यस्त कार्यक्रम था और ट्रॉट ने कहा कि उनके खिलाड़ी थके हुए थे।

उन्होंने कहा, 'हम पिछले मैच के बाद तीन बजे होटल पहुंच पाए थे और इसके 5 घंटे बाद हमें निकलना पड़ा। इस तरह से हमें सोने का बहुत अधिक वक्त नहीं मिला और खिलाड़ी वास्तव में थके हुए थे।' ट्रॉट ने कहा, 'लेकिन हम अपने कार्यक्रम से अवगत थे और यह कोई बहाना नहीं है। जब आप विश्व कप या किसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो सभी चीजें आपके अनुरूप नहीं होती हैं और आपको इन मुश्किलों का सामना करते हुए आगे बढ़ना होता है।

भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है :राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली ।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि युवाओं को खेलों में भी आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे और भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति ने आज संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड संख्या में मेडल्स जीत रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद पेरिस ओलंपिक भी शुरू होने जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'ओलंपिक्स में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हर खिलाड़ी पर हमें गर्व है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देती हूं। इन उपलब्धियों को और आगे ले जाने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है।'

बुमराह मुझसे 1000 गुना बेहतर गेंदबाज : कपिल देव

नई दिल्ली ।भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि जब वह गेंदबाजी करते थे, तब से तुलना की जाए तो जसप्रीत बुमराह उनसे 1000 गुना बेहतर गेंदबाज हैं।

बुमराह मौजूदा टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने अब तक 23 ओवर में 11 विकेट चटकाए हैं। कपिल ने कहा कि बुमराह मुझसे 1000 गुना बेहतर गेंदबाज हैं। ये युवा हमसे कहीं बेहतर हैं। हमारे पास अधिक अनुभव था। वे बेहतर हैं। बुमराह को इस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज माना जाता है। भारत के लिए 26 टेस्ट खेल चुके इस गेंदबाज ने 159 विकेट चटकाए हैं। वह 89 वनडे में 149 विकेट और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 85 विकेट झटक चुके हैं। कपिल ने अपने करियर का समापन 434 टेस्ट विकेट के विश्व रिकॉर्ड के साथ किया था और उन्हें अब तक के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने 253 वनडे विकेट भी लिए हैं। भारत को 1983 में पहला विश्व कप खिताब दिलाने वाले 65 वर्षीय कपिल ने मौजूदा राष्ट्रीय टीम के फिटनेस स्तर की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं। उत्कृष्ट हैं। वे अधिक फिट हैं। वे बहुत अधिक मेहनती हैं। वे शानदार हैं। बहरहाल, टीम इंडिया अभी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले की तैयारी कर रही है। गुयाना के मैदान पर बारिश ने सबकी चिंता बढ़ाई हुई है। हालांकि टीम इंडिया को एक फायदा यह भी हो सकता है कि अगर मैच न हुआ तो वह अपने ग्रुप में पहले नंबर पर रहने के साथ अपने आप ही फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

अगले माह एशिया कप में होगा भारत-पाक की महिला क्रिकेट टीमों में मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। अब प्रशंसकों को एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अनुसार ये मुकाबला अगले माह श्रीलंका में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 19 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। इस बार एशिया कप में मेजबान श्रीलंका सहित आठ टीमें भाग लेंगी। पिछली बार से अलग करते हुए इस साल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में रहेंगे। .

एसीसी के अनुसार भारतीय टीम 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी नजर आयेंगी। अब एशिया कप में भारतीय टीम ने सबसे अधिक कुल सात बार इस खिताब जीता है। वहीं एक बार इसे बांग्लादेश ने जीता था।

पीसीबी की समीक्षा बैठक में उठेगा खिलाड़ियों के निजी कार्यक्रमों में जाने का मामला

लाहौर । आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के क्रिकेटरों की मुश्किले बढ़ना तय है। इसका कारण है कि खिलाड़ियों पर टूर्नामेंट के दौरान निजी कार्यक्रमों के जरिये पैसा कमाने के आरोप लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ खिलाड़ियों ने एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 2500 डॉलर लिए थे। इस कार्यक्रम का आयोजन डलास में किया गया था। इसके बाद एक अन्य कार्यक्रम आयोजित होना था पर कप्तान बाबर आजम और बाकी खिलाड़ियों को दी जाने वाले पैसे में अंतर के कारण इसे रद्द करना पड़ा था। अब ये सारे मामले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की समीक्षा बैठक में उठाए जाने तय हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि खिलाड़ियों की अनुशासनहीन और लापरवाही के लिए टीम प्रबंधन भी जिम्मेदार है। उसने ही खिलाड़ियों को काफी रियायतें दी थीं। इसके अलावा टीम में मतभेद और गुटबाजी का भी मामला समीक्षा बैठक में उठान तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम दो गुटों में बंटी हुई है और कप्तानी को लेकर बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मतभेद हैं। ऐसे में बड़े बदलाव होने की संभावना है। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, जिनकी टूर्नामेंट के दौरान परिवार को साथ लाने और प्रमोशनल इवेंट्स में जाने को लेकर आलोचना हो रही है। पाकिस्तान की टीम विश्वकप के पहले दौर में ही बाहर हो गई। उसे अमेरिका के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

गुकेश ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज में डेक बोगडान-डेनिएलिन को हराया

बुखारेस्ट। (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को हराकर सकारात्मक शुरुआत की। इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा। गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे एक अन्य भारतीय आर प्रज्ञाननंदा ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना भी शुरुआती दौर में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। दस खिलाड़ियों के राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए। बोगडान-डैनियल ने 'निम्जो इंडियन डिफेंस' चाल के शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया। रोमानिया के खिलाड़ी के पास गुकेश पर बढ़त बनाने का मौका था लेकिन उन्होंने प्यादा के मुकाबले अपने 'रूक (हाथी)' को गंवा दिया। गुकेश इसके बाद मजबूत वापसी करने में सफल रहे। उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं देते हुए जीत दर्ज की। काले मोहरों से खेल रहे प्रज्ञाननंदा को अब्दुसात्तोरोव से कड़ी चुनौती मिली। दोनों खिलाड़ी 60 चालों के बाद बराबरी पर सहमत हो गये।

पेरिस ओलंपिक की पैदल चाल स्पर्धा में भाग लेंगे अक्षदीप

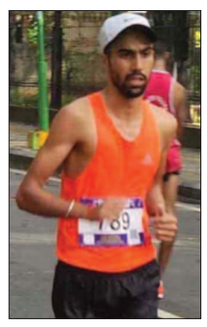

नई दिल्ली ।आगामी पेरिस ओलंपिक में पैदल चाल स्पर्धा में भारत के अक्षदीप सिंह भाग लेंगे। पंजाब की ओर से खेलने वाले अक्षदीप ने ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अक्षदीप ने रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में जीत के साथ ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। 20 किमी पैदल चाल में राष्ट्रीय रिकार्ड धारी अक्षदीप रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किस था। तब अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था। इस खिलाड़ी का ओलंपिक तक का सफर आसान नहीं रहा है। अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर–18 नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर–18 जूनियर नेशनल में भाग लिया और रजत पदक जीता। 2017 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उसने फिर से रजत पदक जीता। हालांकि, 2019 में घुटने की चोट के कारण वह इटली में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन 12वां स्थान हासिल किया। 2023 को उसने 47वीं ऑल जापान रेस वॉकिंग मीट में हिस्सा लिया और 12वें स्थान पर रहे।

अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाना लक्ष्य: मीराबाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है।

तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, 'पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (तोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं।''

मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। अपने अमेरिकी फिजियो डॉ. आरोन हॉर्शिग और कोच विजय शर्मा के साथ चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है।

मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे।' उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर करने की होगी।'

मणिपुर की इस खिलाड़ी ने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान चोट से बचने पर है। उन्होंने हॉर्शिग की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी मौजूदगी से काफी मदद मिली है। मैं 2020 से उनके साथ काम कर रही हूं और वह अच्छे से समझते है कि मेरे शरीर में कहां परेशानी है। वह जानते है कि चोट से कैसे जल्दी उबरना है और किस तरह से अभ्यास को आगे बढ़ाना है।% मीराबाई ने कहा, 'मैंने चोटिल होने के बाद काफी कुछ सीखा है। उससे निपटने और उबरने के साथ सही खान-पान और विश्राम पर ध्यान देना काफी जरूरी होता है।'

मीराबाई ओलंपिक की तैयारियों को दुरुस्त करने सात जुलाई को पेरिस जा रही है। वह वहां एक महीने तक अभ्यास करेंगी। ओलंपिक में उनकी स्पर्धा का आयोजन सात अगस्त को होगा। मीराबाई ने कहा, 'मैं सात जुलाई को पेरिस जा रही हूं। प्रतियोगिता से एक महीने पहले वहां पहुंचने से काफी फायदा मिलेगा।' उन्होंने अपना समर्थन करने के लिए साइ, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और आईडब्ल्यूएलएफ का शुक्रिया करते हुए कहा, 'किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलंपिक के मेजबान शहर में एक महीने तक अभ्यास का मौका मिलना बड़ी बात है। इन सबने मेरी काफी मदद की है।'

पेरिस ओलंपिक के भारतीय हॉकी टीम में शामिल उत्तर प्रदेश के राजकुमार

लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के राजकुमार पाल का चयन आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम में हुआ है। राजकुमार के चयन से जिले के लोगों में खुशी की लहर है। राजकुमार पाल ने अपने करियर की शुरुआत करमपुर गांव स्थित मेघबरन स्टेडियम से शुरू की थी थी। राजकुमार पाल अभी बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैंप में भाग ले रहे हैं। अब पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के साथ वह भी खेलने जाएंगे। पिछले 4 सालों से वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहे हैं। लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें पेरिस ओलंपिक की हॉकी टीम में जगह मिली है। राजकुमार ने सबसे पहले साल 2020 में भी भारतीय टीम की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल था।

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11369
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना वावय द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, निकट सेक्टर-61, विलेज मलेरना, वल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्ण शर्मा। समाचारीय कार्यालयः मकान नंबर 2, निकट सेक्टर-61, विलेज मलेरना, वल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः जगदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

मटका किंग में विजय वर्मा के साथ नजर आएंगी कृतिका कामरा

अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। अब सीरीज से जुड़ी एक अहम अपडेट सामने आई है। दरअसल, मटका किंग में विजय वर्मा के साथ कृतिका कामरा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। बता दें कि 'बंबई मेरी जान' में एक गैंगस्टर की दमदार भूमिका निभाने के बाद कृतिका इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस सीरीज का निर्देशन नागराज मंजुले करेंगे।

मुख्य भूमिका में कृतिका

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृतिका 'मटका किंग' में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। इस बात का खुलासा खुद कृतिका ने किया है। कृतिका ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'मैं मटका किंग का हिस्सा बनकर और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करके रोमांचित हूं।' उन्होंने आगे कहा कि विजय वर्मा के साथ काम करना उनके लिए एक रोमांचक अवसर है। वह उनके काम की भी प्रशंसक हैं। अभिनेत्री ने निर्देशक नागराज मंजुले की तारीफ करते हुए कहा, 'नागराज मंजुले की नजर और कहानी कहने की कला बेजोड़ है। मैं उनके निर्देशन में अपने किरदार को जीवंत करने के लिए उत्सुक हूं।'

सांस्कृतिक इतिहास से भरी है मटका किंग

अभिनेत्री ने आगे कहा कि 'मटका किंग' की कहानी न केवल दिलचस्प है, बल्कि सांस्कृतिक इतिहास से भी समृद्ध है। कृतिका ने कहा कि भारत के अतीत के ऐसे महत्वपूर्ण पहलू से प्रेरणा लेने वाली परियोजना का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है।

आफताब के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी उर्वशी

एक्टर -निर्माता आफताब शिवदासानी काफी समय के बाद एक रोमांटिक, हॉरर-ड्रामा के साथ हिंदी सिनेमा में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, जिसका टाइटल कसूर है। आफताब को आखिरी बार 2019 की हिंदी फिल्म सेंटर में देखा गया था। इस फिल्म के लिए उर्वशी रौतेला भी आफताब के साथ आई हैं और फिल्म में काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इन दिनों अभिनेत्री अपनी फिल्म जेएनयू को लेकर चर्चा में चल रही हैं। आफताब शिवदासानी के साथ उर्वशी रौतेला के शामिल होने से फिल्म कसूर की कास्टिंग और भी दिलचस्प होती जा रही है। प्रैक्टिकल प्रोडक्शन के निर्माता आसिफ शेख ने पुष्टि की है कि उर्वशी रौतेला आगामी म्यूजिकल रोमांस-हॉरर फिल्म कसूर में आफताब शिवदासानी के साथ अभिनय करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग जारी है जो इन दिनों उत्तराखंड के देहरादून और ऋषिकेश में हो रही है। वे वाइब शॉट्स के लिए उत्तराखंड की पहाड़ियों को कवर करना चाहते हैं कसूर एक मनोवैज्ञानिक डरावनी कहानी है, जो तीन पात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का निर्देशन ग्लेन बैरेटो ने किया है और इसे मुदस्सर अजीज ने लिखा है, जबकि प्रोजेक्ट को बबलू अजीज ने प्रस्तुत किया है। यह पहली बार होगा जब शिवदासानी और रौतेला स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। यह फिल्म 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत तक रिलीज होने वाली है। हालांकि, साल 2001 में आई महेश भट्ट की फिल्म कसूर में आफताब दिखाई दे चुके हैं, जिसमें उनके साथ लिसा रे, इरफान खान, आशुतोष राणा और अन्य कलाकार नजर आए थे।

सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल के ट्रोल्स पर भड़कीं ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा सिनेमा, समाज और वैश्विक मामलों में अपनी राय रखने से कभी नहीं हिचकिचाती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अपनी करीबी दोस्त सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी का हिस्सा बनीं, और अब वह ट्रोल्स पर चुटकी लेती नजर आई हैं। ऋचा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अंतरधार्मिक विवाह को लेकर सोशल मीडिया की नकारात्मकता से प्रभावित नहीं होने के लिए सोनाक्षी और जहीर की सराहना की है। ऋचा चड्ढा ने नवविवाहित जोड़े को समर्पित एक नोट साझा कर लिखा, प्रिय सोना और जहीर! मैं आपकी सादगी, एक-दूसरे के प्रति आपकी प्रतिबद्धता से प्रभावित हूं और मैं बहुत खुश हूं कि आप अपनी मन की करते हैं हैं। आपके साथ कोई तस्वीर नहीं मिली क्योंकि आप बहुत व्यस्त थे, लेकिन अली और मैं तुमसे और तुम्हारे इस जोश से बेशुमार प्यार करते हैं। तुम्हारी जोड़ी कमाल की है। ऋचा चड्ढा ने आगे लिखा, बुरी नजर वाले तेरा मुंह फालतू। आप दोनों को प्यार। एक शानदार पार्टी के लिए धन्यवाद, और मैं आपकी जिंदगी भर की खुशियों की कामना करती हूं। जानकारी हो कि हीरामंडी में सोनाक्षी सिन्हा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर चुकीं अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने खुद अभिनेता अली फजल के साथ अंतरधार्मिक विवाह किया था। अभिनेत्री प्रेग्नेंट हैं और जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं।

मैं होम प्रॉडक्शन की फिल्म तब करूंगी जब उस लायक हो जाऊंगी

मशहूर संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन मनोरंजन जगत का हिस्सा बन गई हैं। फिल्म इश्क विश्व रिबाउंड से बड़े पर्दे पर दस्तक दे रही पश्मीना ने खुलकर बात की।

कोई मिल गया के सेट पर हुआ सिनेमा से इश्क

सिनेमा से पहली बार इश्क-विश्क के बारे में पूछने पर वह बताती हैं, मेरी सिनेमा को लेकर शुरुआती याद फिल्म कोई मिल गया के सेट की है। फिल्म सिटी में कसौली शहर बसाया गया था। तब मैं बहुत छोटी थी मगर मैं और मेरी बहन रोज सेट पर जाते थे। फिल्म में बच्चे भी थे तो उनके साथ हम बहुत मस्ती करते थे। मुझे वहां पर इतना मजा आता था कि लगता था कि कभी घर ही ना जाना पड़े। तब से जब भी मैं सेट पर होती थी, सबसे ज्यादा खुश होती थी। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि यही मेरी दुनिया है। यहां मुझे सबसे ज्यादा खुशी और संतुष्टि मिलती है। इसलिए, मैं स्कूल में भी थिएटर करने लगी।

मैं गाना ना गाऊं, वही अच्छा है

पश्मीना के पापा राजेश रोशन जाने-माने संगीतकार हैं, ऐसे में उनका गायकी की ओर रुझान नहीं हुआ? इस पर वे हंसकर कहती हैं, मैं कीबोर्ड बजाती हूं। वह मुझे बहुत अच्छा लगता है मगर गाने के मामले में मेरा सुर बिल्कुल नहीं लगता। मेरे पापा को लगता है कि मेरी आवाज़ अच्छी है लेकिन मैं जब गाना गाती हूं तो मेरा चेहरा दर्द होता है। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे पापा की शान के लिए अच्छा है कि मैं मैं ना गाऊं।

फिल्मी फैमिली के फायदे से इंकार नहीं

पश्मीना इंडस्ट्री की मशहूर रोशन फैमिली से हैं। उनके ताऊ जी राकेश रोशन खुद बड़े निर्माता है। ऐसे में वे अपने होम प्रॉडक्शन से भी लॉन्च हो सकती थीं? इस पर वह कहती हैं, मैं वो नहीं चाहती थी। मैं पहले उसके लायक बनना चाहती थी। मेरे घरवाले ऐसे लोग नहीं हैं जो सिर्फ लॉन्च करने के लिए फिल्म बना दें। पहले तो अच्छी स्क्रिप्ट होनी चाहिए, फिर मुझे उसके लायक होना चाहिए। जो लोग कहते हैं कि हमें फिल्मी परिवार से होने का फायदा मिलता है, उससे इंकार नहीं किया जा सकता। मैंने ऐक्टिंग क्लास की है, वहां उन लोगों को देखा है जो छोटे शहरों से ऐक्टर बनने आते हैं। उन्हें मुंबई में खुद किराया भरना पड़ता है, उसके लिए काम ढूंढना पड़ता है। मुझे पता है कि मेरे घरवाले अगर किसी को मेरे लिए कॉल नहीं भी कर रहे हैं, पर मैं कमरे में जाकर अपना नाम बोलूं तो एक वेटेज मिलती है तो मैं इससे इंकार नहीं करूंगी कि थोड़ा प्रिविलेज होता है।

दिलजीत दोसांझ ने की स्ट्रगल पर बात

दिलजीत दोसांझ ने अपनी स्ट्रगल के बारे में बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें सक्सेस इतनी आसानी से नहीं मिली है बल्कि इसके लिए उन्हें सालों का इंतजार करना पड़ा है। एक इंटरव्यू में दिलजीत ने कहा, ये फेम रातोंरात हासिल नहीं हुआ है। आप एक दिन में ये सब हासिल नहीं कर सकते हैं। मैं इस इंडस्ट्री में 22 साल से हूं और यहां तक पहुंचने के लिए मैंने दिन-रात मेहनत की है। इसके लिए मुझे तगड़ी कीमत चुकानी पड़ी है, मैं अपने परिवार को भी वक्त नहीं दे पाया। मेरी सालों की मेहनत अब मुझे सफलता दे रही है। लेकिन मेरी और भी कुछ प्लानिंग है। आपको इसके बारे में जल्द पता चल जाएगा। जालंधर के दोसांझ कलां में पैदा हुए दिलजीत ज्यादा पढ़ नहीं पाए। उन्होंने लुधियाना में रहकर दसवीं तक पढ़ाई की। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से वो आगे पढ़ नहीं पाए। गुरुद्वारे में कीर्तन सुनने के बाद गायकी की ओर बढ़े। लुधियाना के ही स्थानीय गुरुद्वारे में शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग ली और कीर्तन करने लगे। कीर्तन करते दिलजीत की आवाज सबको अच्छी लगती तो लोगों ने उन्हें बाहर गाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद गुरुद्वारे से दिलजीत बाहर निकलकर शादी-समारोहों में गाने लगें। इसी तरह गाते-गाते वे पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री तक पहुंच गए। 2004 में दिलजीत ने अपना पहला एल्बम इश्क दा उड़ा अड्डा रिलीज किया। 2011 में द लायन ऑफ पंजाब फिल्म से डेब्यू किया। फिल्म फ्लॉप रही लेकिन उनका एक गाना सुपरहिट रहा। पहली बार बीबीसी के एशियन डाउनलोड चैट में नॉन बॉलीवुड सिंगर का गाना टॉप पर पहुंचा। 2016 में फिल्म उड़ता पंजाब से बॉलीवुड में एंट्री ली। इसके बाद फिल्लौरी, सूरमा, अर्जुन पटियाला, गुड न्यूज और सूरज पे मंगल भारी में एक्टिंग की।

करण जौहर ने फिल्म बैड न्यूज में विक्की-तृप्ती के किरदारों के नाम से उठाया पर्दा

फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर करण ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज साझा की हैं इस फिल्म के निर्माता हैं। करण जौहर और निर्देशक हैं। आनंद तिवारी, यह फिल्म 19 जूलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण ने कैप्शन में लिखा, अखिल चड्ढा.. सब तो वड्डा। फिल्म में तृप्ति डिमरी सलोनी के किरदार में नजर आएंगी, जो हर एक परिक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। गुरबीर पाजी- रोला पाई गया जी।

इंडस्ट्री में लोगों को संभालना आना चाहिए नहीं तो टैलेंट स्टोर रूम में पड़ा रहेगा

एक समय कॉमेडी फिल्मों में नजर आने वाली अभिनेत्री रिमी सेन इन दिनों एक कानूनी मामले के चलते सुर्खियों में हैं। रिमी सेन ठगी का शिकार हो गई हैं और ठगी भी कोई छोटी-मोटी नहीं, बल्कि चार करोड़ रुपये की हुई है। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने इस मामले और अपने करियर को लेकर खुलकर बातचीत की।

क्या है पूरा मामला?

रिमी सेन ने एक हालिया साक्षात्कार में बताया कि ठगी करने वाले शख्स ने खुद की पहचान एक अमीर व्यवसायी की बताई थी। पैसे ऐंठने का मामला साल 2020 से चल रहा था। दरअसल, उस आदमी ने रिमी के पैसों को ऊंची ब्याज दरों के साथ लौटाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पैसे मिलने के बजाय बहाने मिलने शुरू हो गए। रिमी के मुताबिक उसने कई टुकड़ों में चार करोड़ रुपये लिए थे और अब उसके खिलाफ एक वारंट जारी किया जाएगा।

कॉमेडी फिल्मों में काम कर-करके थक गई थीं रिमी

रिमी ने अपने करियर के बारें में बात करते हुए कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में आपको लोगों को संभालने की कला आनी चाहिए। प्रतिभा उसके बाद में आती है। ऐसा नहीं कर पाने पर कुछ नहीं हो सकता है और टैलेंट स्टोर रूम में पड़ा रहेगा। रिमी ने साफ-साफ कहा कि उन्हें बेचना और पीआर करना नहीं आता था। अपने किरदारों को लेकर रिमी ने कहा कि वो कॉमेडी फिल्मों में अभिनय कर-करके थक चुकी थीं। उन्होंने कहा कि उन फिल्मों में ज्यादा कुछ करने को नहीं होता था। केवल फर्नीचर रोल होता था। हालांकि, उन्होंने बताया कि हंगामा और जॉनी गद्दार ऐसी फिल्में थीं, जिनमें उन्हें लगता है कि उन्हें अच्छा रोल मिला था।

फिल्मों के बजट और एक्टर्स की फीस पर बोले अनिल

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड में एक्टर्स की बढ़ती फीस और बजट का मुद्दा गरमाया हुआ है। एक्टर्स की बढ़ती फीस पर करण जौहर और अनुराग कश्यप चिंता जाहिर कर चुके हैं। अब अनिल कपूर ने भी फिल्म के बजट, एक्टर्स की फीस और गैरजरूरी डिमांड्स को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि एक्टर्स के ज्यादा फीस की वजह से फिल्म के बजट पर काफी असर पड़ता है। ऐसा कई बार हुआ कि मैंने प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए फीस नहीं ली । बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को होस्ट कर रहे अनिल कपूर ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा- एक्टर्स के ज्यादा फीस की वजह से फिल्म के बजट पर काफी असर पड़ता है। एक प्रोड्यूसर अधिक से अधिक फिल्में बना सके, इसके लिए एक्टर्स को अपनी फीस और गैरजरूरी डिमांड्स के बारे में सोचना चाहिए। अनिल कपूर ने कहा- मैंने बिना पैसे लिए भी फिल्में की हैं। ऐसा कई बार हुआ कि मैंने प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए फीस नहीं ली। आज सभी एक्टर्स और तकनीशियनों को अपनी फीस के बारे में सोचना चाहिए। फिल्म जितने कम बजट में बनेगी, प्रोड्यूसर्स उतनी ही अधिक फिल्में बना सकते हैं। अनिल कपूर प्रोड्यूसर के तौर पर बधाई हो बधाई, गांधी माई फादर, आयशा, वीरे दी वेडिंग और खूबसूरत समेत कई फिल्में प्रोड्यूस कर चुके हैं। इन फिल्मों के निर्माण के दौरान वो आर्थिक तंगी का भी समाना कर चुके हैं।